unfoldingWord® Translation Notes © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license.
unfoldingWord® Translation Notes has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Notes © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

रूत - परिचय

रूत

रूत - परिचय

भाग 1: सामान्य परिचय

रूत की रूपरेखा

1. नाओमी अपने परिवार के साथ मोआब जाती हैं (1:1–5)
2. रूत नाओमी के साथ बैतलहम आती हैं (1:6–22)
3. बोअज सहायता करते है जब रूत बिनती है (2:1–23)
4. बोअज और रूत खलिहान में (3:1–18)
5. रूत बोअज की पत्नी बन जाती हैं (4:1–16)
6. ओबेद रूत और बोअज से उत्पन्न हुए; दाऊद की वंशावली (4:13–22)

रूत की पुस्तक किस विषय में है?
यह पुस्तक एक गैर-इस्राएली स्त्री रूत के विषय में है। इसमें बताया गया है कि वह यहोवा की प्रजा में कैसे सम्मिलित हुई। यह पुस्तक यह भी बताती है कि रूत राजा दाऊद की पूर्वज कैसे बनीं।

इस पुस्तक के शीर्षक का अनुवाद कैसे किया जाना चाहिए?
इस पुस्तक का पारम्परिक रूप से शीर्षक **रूत** है क्योंकि वह इसकी मुख्य पात्र हैं। यदि कलीसिया चाहे, तो आप **रूत के विषय में पुस्तक** जैसे पूर्ण शीर्षक का उपयोग कर सकते हैं। (देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें)

रूत की पुस्तक की घटनाएँ कब घटित हुईं?
रूत की कहानी उस समय की है जब इस्राएल में न्यायी हुआ करते थे। यह उस समय के बाद की बात है जब इस्राएल के लोग कनान देश में प्रवेश कर चुके थे, लेकिन उनके पास कोई राजा नहीं था। न्यायी वे पुरुष और स्त्री थे जिन्हें परमेश्वर ने इस्राएलियों को उनके शत्रुओं पर विजय दिलाने में सहायता करने के लिये चुना था। ये अगुएँ सामान्यतः लोगों के बीच झगड़ों का निर्णय करते थे। वे लोगों को महत्वपूर्ण निर्णय लेने में भी सहायता करते थे। इनमें से कई अगुआ इस्राएल के सभी लोगों की सेवा करते थे, लेकिन कुछ ने केवल कुछ विशेष गोत्रों की ही सेवा की।

भाग 2: महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धर्म की धारणाएँ

पवित्रशास्त्र में एक अन्यजाति देश मोआब की स्त्री के विषय में पुस्तक क्यों शामिल है?
एक समय था जब इस्राएल प्रायः यहोवा के प्रति अविश्वसयोग्य होता था, तब मोआब की एक स्त्री ने उसमें बड़ा विश्वास दिखाया। इस्राएलियों की यहोवा पर बार-बार विश्वास की कमी की तुलना इस अन्यजाति स्त्री के विश्वास से की गई है। यह हमें दर्शाता है कि परमेश्वर केवल इस्राएल का नहीं, बल्कि सभी लोगों का परमेश्वर है। (देखें: विश्वासयोग्य)

रूत की पुस्तक में कौन-सी महत्त्वपूर्ण विवाह-रीति पाई जाती है?
इस्राएलियों में एक रीति प्रचलित थी जिसे "देवर-विवाह" कहा जाता है। इस रीति के अनुसार, यदि कोई पुरुष बिना सन्तान के मर जाता था, तो उसका सबसे निकट का कुटुम्बी पुरुष उस विधवा से विवाह करके उसकी देखभाल करने का उत्तरदायी होता था। सामान्यतः यह कुटुम्बी उस व्यक्ति का भाई होता था। उनके बीच जो सन्तानें जन्म लेतीं, उन्हें मरे हुए व्यक्ति की सन्तान माना जाता था। वे ऐसा इसलिए करते थे ताकि मृत पुरुष के वंशज हो सकें। यदि सबसे निकटतम कुटुम्बी उस स्त्री से विवाह नहीं करते, तो कोई अन्य कुटुम्बी इस कर्तव्य को पूरा कर सकता था।

"छुड़ानेवला कुटुम्बी" क्या है?
किसी व्यक्ति के निकटतम कुटुम्बी या कुटुम्बियों से यह अपेक्षा की जाती थी कि वे उसके लिये "छुड़ानेवला कुटुम्बी" (2:20 यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन)) के रूप में कार्य करें। वे जरूरतमंद कुटुम्बी की सहायता करने, देवर विवाह की जिम्मेदारियों को पूरा करने और परिवार से बाहर किसी को बेची गई भूमि को परिवार में वापस मोल लेने के लिये उत्तरदायी होते थे। रूत की पुस्तक में, बोअज एक ऐसे छुड़ानेवला कुटुम्बी हैं।

रूत की पुस्तक में "बीनना" क्या था?
इस्राएल में निर्धन लोगों को अनुमति थी कि वे खेत में फसल काटनेवाले लोगों के पीछे-पीछे चलें। ये बीनने वाले उन पुलियों को उठाते थे जो फसल काटनेवालों से छूट जाती थीं या गिर जाती थीं। इस प्रकार, निर्धन लोग कुछ भोजन प्राप्त कर सकते थे। रूत बोअज के खेत में एक बीनने वाली बन गईं।

वाचा की विश्वासयोग्यता या वाचा की निष्ठा क्या है?
वाचा एक औपचारिक और बाध्यकारी सहमति होती है, जिसे एक या दोनों पक्षों को पूरा करना होता है। वाचा की विश्वासयोग्यता या वाचा की निष्ठा तब दिखाई देती है जब कोई व्यक्ति उस वाचा के अनुसार वही करता है जो उसने करने का वचन दिया था। परमेश्वर ने इस्राएल से एक वाचा बाँधी थी जिसमें उन्होंने प्रतिज्ञा की थी कि वह उन्हें प्रेम करेंगे और उनके प्रति विश्वासयोग्य बने रहेंगे। इस्राएलियों को भी उनके प्रति और एक-दूसरे के प्रति ऐसा ही करना था।

रूत की पुस्तक दर्शाती है कि जो छुड़ानेवाला कुटुम्बी अपने कुटुम्बियों के लिये यह करते हैं, वह परमेश्वर की इस्राएल के साथ की गई वाचा के अनुसार उनके कर्तव्यों का हिस्सा है। बोअज, रूत, और नाओमी की कहानी इस्राएल के सभी लोगों को वाचा के प्रति विश्वासयोग्यता के अच्छे प्रभावों का उदाहरण देती है। (देखें: वाचा का विश्वास)

प्राचीन पश्चिमी एशिया में नगर के द्वारों का क्या कार्य था?
बोअज के समय में नगर के फाटक नगर के वृद्ध लोगों की बैठक का स्थान हुआ करते थे। वृद्ध लोग वे सम्मानित पुरुष होते थे जो व्यापारिक और न्यायिक विषय पर मिलकर निर्णय लिया करते थे। शहरपनाह मोटी होती थीं, विशेष रूप से प्रवेश फाटकों पर, और फाटकों के पास और ऊपर प्रहरी मीनारें होती थीं। इसलिए फाटक का खुला भाग सार्वजनिक बैठकों के लिये एक बड़ा छायादार स्थान प्रदान करता था और वहाँ महत्वपूर्ण लोगों के बैठने के लिये स्थान होते थे। इस कारण से, बोअज और अन्य वृद्ध लोग फाटक में बैठे।

कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में बोअज के नगर के फाटक पर बैठने की बात की गई है, लेकिन अनुवादकों के लिये यह स्पष्ट करना अच्छा हो सकता है कि बोअज नगर के फाटक में बैठे थे।

भाग 3: महत्वपूर्ण अनुवाद सम्बन्धी विषय

रूत की पुस्तक एक विषय से दूसरे विषय में कैसे परिवर्तित होती है?

रूत की पुस्तक में प्रायः एक नए विषय या कहानी के नए भाग की ओर परिवर्तन होता है। यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) इन परिवर्तनों को संकेत देने के लिये "इसलिये," "तब," और "अब" जैसे विभिन्न शब्दों का उपयोग करती है। अनुवादकों को इन परिवर्तनों को संकेत देने के लिये अपनी भाषाओं में सबसे स्वाभाविक तरीकों का उपयोग करना चाहिए।

रूत 1:1 (#1)

"करते"

यह था या **यह वही हुआ**। यह एक ऐतिहासिक कहानी की शुरुआत का एक सामान्य तरीका है।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

रूत 1:1 (#2)

בִּימֵי שְׁפֹט הַשֹּׁפְטִים

"दिनों न्यायी" - "राज्य"

उस समय जब न्यायियों ने इस्राएल की अगुवाई की और उन पर राज्य किया

देखें: जोड़ें – समकालिक समय संबंध

रूत 1:1 (#3)

בָּאָרֶץ

"परदेशी"

"यह इस्राएल देश की ओर संकेत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""इस्राएल की भूमि में""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 1:1 (#4)

אִישׁ

"पुरुष"

एक पुरुष। यह कहानी में एक किरदार पेश करने का एक सामान्य तरीका है।

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

रूत 1:2 (#1)

אֶפְרָתִים

""एप्राती यहूदा"

"नाम **एप्राती** एप्रात के कबीले के लोगों की ओर संकेत करता है, जो बैतलहम के आसपास के क्षेत्र में रहते थे। वैकल्पिक अनुवाद: ""एप्रात के कबीले से, यहूदा के बैतलहम से।""

रूत 1:3 (#1)

וַתִּשָּׁאֵר הִיא וּשְׁנֵי בָנֶיהָ

"उसके दोनों पुत्र"

नाओमी के पास केवल दो पुत्र ही रह गए

रूत 1:4 (#1)

וַיִּשְׂאוּ לָהֶם נָשִׁים

"स्त्री ली"

स्त्री से विवाह। यह महिलाओं से शादी करने का एक मुहावरा है। वे उन महिलाओं से विवाह नहीं करते थे जो पहले से शादीशुदा थीं।

देखें: मुहावरा

रूत 1:4 (#3)

שֵׁם הָאַחַת עָרְפָּה וְשֵׁם הַשֵּׁנִית רוּת

""

एक महिला का नाम था ... दूसरी महिला का नाम था

रूत 1:5 (#1)

וַתִּשָּׁאֵר הָאִשָּׁה מִשְּׁנֵי יְלָדֶיהָ וּמֵאִישָׁהּ

"दोनों पति हो गई"

नाओमी विधवा थी और उसके दोनों पुत्र मर गए।

रूत 1:6 (#1)

וַתָּקָם הִיא וְכַלֹּתֶיהָ וַתָּשָׁב

"तब वह ... उस देश से अपनी दोनों बहुओं समेत लौट जाने को चली"

वाक्य का यह भाग अगले भाग में होने वाली घटनाओं का एक प्रारंभिक सारांश है। यह कहानी की समयरेखा में घटित घटनाओं से सम्बन्धित नहीं है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के प्रारंभिक सारांश का प्रयोग नहीं है, तो आप इन कार्यों का अनुवाद घटनाओं के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब वह ... अपनी दोनों बहुओं समेत लौट जाने की तैयारी करने लगी"

देखें: एक नई घटना का परिचय

रूत 1:6 (#2)

וַתָּקָם הִיא וְכַלֹּתֶיהָ וַתָּשָׁב

"तब वह ... अपनी दोनों बहुओं समेत लौट जाने को चली"

क्रियाएँ **चली** और **लौट जाने** एकवचन हैं, और नाओमी को दर्शाती हैं। इससे पता चलता है कि नाओमी ही मुख्य पात्र है जो इन कार्यों में पहल करती है। हालाँकि, उसकी बहुएँ भी इसमें शामिल हैं। अगर आपकी भाषा में किसी क्रिया में एक से ज़्यादा लोगों के शामिल होने पर बहुवचन क्रियाओं की आवश्यकता होती है, तो आप यहाँ उनका प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब वह और उसकी दोनों बहुएँ ... लौट जाने को चलीं"

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

रूत 1:6 (#1)

“बहुओं”

जिन महिलाओं ने नाओमी के पुत्रों से शादी की

रूत 1:6 (#4)

כִּי־שָׁמְעָה בַשְּׂדֶה מוֹאָב כִּי־פָקַד יְהוָה אֶת־עַמּוֹ לָתֵת לָהֶם לָחֶם

“”

नाओमी ने पहले यह सुना कि यहोवा ने कैसे अपने लोगों की सुधि ली है, और फिर उसने बैतलहम लौटने का निर्णय लिया, इसलिए इस जानकारी को पहले रखना अधिक स्वाभाविक हो सकता है, जैसा कि आई.आर.वी. में है।

देखें: सूचना संरचना

रूत 1:6 (#2)

שָׁמְעָה בַשְּׂדֶה מוֹאָב

“सुनकर” - “देश”

“**जब वह मोआब के देश में ही थी उसने सुना था**। यह अस्पष्ट है कि यह खबर इस्राएल से आई थी। वैकल्पिक अनुवाद: “”उसने मोआब में रहते हुए इस्राएल से आए किसी व्यक्ति से सुना था““

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 1:6 (#4)

פָקַד & אֶת־עַמּוֹ

““प्रजा“

“परमेश्वर ने उनकी जरूरत को देखा और उनके लिए अच्छी फसल दी। वैकल्पिक अनुवाद: “”इस्राएलियों की मदद की““”

रूत 1:6 (#5)

לָתֵת לָהֶם לָחֶם

“की” - “भोजनवस्तु दी”

“**भोजनवस्तु** यहाँ सामान्य रूप से भोजन का संकेत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “” उन्हें भरपूर फसल दी, ताकि उनके पास भरपूर भोजनवस्तु हो।““

देखें: मुहावरा

रूत 1:7 (#1)

“मार्ग लिया”

और वे मार्ग से चले गए। मार्ग से हो लेने का अर्थ है मार्ग से पैदल हो लेना।

देखें: मुहावरा

रूत 1:8 (#1)

“दोनों बहुओं”

उसके दो पुत्रों की पत्नियाँ या **उसके दो पुत्रों की विधवाएँ**

रूत 1:8 (#2)

לְכָנָה שֹׁבְנָה אִשָּׁה

“”

नाओमी दो लोगों से बात कर रही थी, इसलिए जिन भाषाओं में **तुम** का दोहरा रूप होता है, उसकी सारी बातचीत में इसका इस्तेमाल करेंगे।

देखें: ‘आप’ के रूप

रूत 1:8 (#3)

לְכָנָה שֹׁבְנָה אִשָּׁה לְבֵית אִמָּהּ

“तुम अपने-अपने मायके लौट जाओ”

यदि यह प्रथा आपके पाठकों को अजीब लगती है, तो आप इसे समझाने के लिए एक पाद टिप्पणी शामिल कर सकते हैं, जैसे: “प्राचीन इब्री लोगों की प्रथा के अनुसार, एक युवा विधवा स्त्री अपने मृत पति के परिवार के साथ रह सकती थी या पुनः विवाह करने तक अपने माता-पिता के साथ रहने के लिए लौट सकती थी”

रूत 1:8 (#3)

“मायके”

अपनी अपनी माताओं के घर को

रूत 1:8 (#5)

יעשה יְהוָה עִמָּכֶם חֶסֶד כַּאֲשֶׁר עֲשִׂיתֶם עִם־הַמֵּתִים וְעִמָּדִי

“और जैसे तुम ने उनसे जो मर गए हैं और मुझसे भी प्रीति की है, वैसे ही यहोवा तुम पर कृपा करे”

नाओमी परमेश्वर से ओर्पा और रूत को आशीष देने के लिए प्रार्थना कर रही है। अपने शब्दों में आशीष के लिए एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं प्रार्थना करती हूँ कि यहोवा तुम पर कृपा दिखाएँ जैसे तुम ने उनसे जो मर गए हैं और मुझसे दिखाई है।”

देखें: आशीषें

रूत 1:8 (#6)

עִם־הַמֵּתִים

“मर”

तुम्हारे पति, जो मर गए हैं

देखें: नाम विशेषण

रूत 1:8 (#7)

חֶ֖סֶד

“कृपा करे”

यदि आपकी भाषा में **कृपा करे** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निष्ठा और विश्वासयोग्यता से”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रूत 1:9 (#1)

“यहोवा ऐसा करे कि फिर” - “के”

ऐसा हो कि यहोवा तुम्हें दे या **यहोवा ऐसा करे कि तुम पाओ**

रूत 1:9 (#2)

וּמְצָ֤אן מְנוּחָה֙

“फिर” - “के” - “विश्राम पाओ”

आराम यहाँ बैठ कर आराम करने का जिक्र नहीं है। इसका मतलब एक ऐसा ठिकाना जो इन महिलाओं का हो, एक घर, जिसमें विवाह कर जाने से आश्रय मिलता है।

देखें: रूपक

रूत 1:9 (#3)

בֵּ֥ית אִישָׁ֖הּ

“”**पति**“

इसका अर्थ नए पतियों के संग, ना कि उनके पतियों के संग जो मर गए या ना किसी और के पति के साथ। **घर** एक भौतिक घर, पति का है, और आश्रय को दर्शाता है जो एक पति अपनी पत्नी को बदनामी और दरिद्रता में प्रदान करता है।

देखें: प्रतिन्यास

रूत 1:9 (#4)

וַתִּשָּׂ֣אנָה קוֹלָ֗ן וַתִּבְכֶּ֔ינָה

“चिल्ला चिल्लाकर रोने लगीं”

चिल्लाना, ऊँची आवाज से बात करने के लिए एक मुहावरा है। बेटियाँ चिल्लाईं या फूट-फूट कर रोईं।

देखें: मुहावरा

रूत 1:10 (#1)

נָשׁ֥וּב

“पास चलेंगी”

जब ओर्पा और रूत ने कहा **हम**, वे अपने आप का जिक्र करती है ना कि नाओमी का। अतः ऐसी भाषाएँ जिनमें समावेशी और अनन्य हैं **हम** यहाँ अनन्य रूप उपयोग करेंगे।

देखें: विशेष और समावेशी ‘हम’

रूत 1:10 (#2)

וַתֹּאמַ֣רְנָה

“और उससे कहा”

मूल भाषा में यहाँ वाक्य का आरम्भ शब्द **परन्तु** से हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. में शब्द **और** का उपयोग हुआ है। यहाँ **परन्तु** शब्द नाओमी के कथन और बहुओं के कथन के बीच एक गहरा विरोधाभास प्रकट करता है। आपके अनुवाद में, इस गहरे विरोधाभास को इस प्रकार से व्यक्त करें जो आपकी भाषा में स्वाभाविक लगे। वैकल्पिक अनुवाद: “तो भी, उन्होंने कहा”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

रूत 1:10 (#3)

כִּ֤י

“निश्चय”

यहाँ बहुएँ **निश्चय** शब्द का प्रयोग यह दर्शाने के लिए करती हैं कि नाओमी उनसे क्या करवाना चाहती है और वे क्या करने का प्रस्ताव रखती हैं। अपने अनुवाद में, इस प्रबल विरोधाभास को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से दर्शाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके बजाय”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

रूत 1:10 (#2)

אִתָּ֖ךְ

“संग”

यहाँ **तेरे** शब्द एकवचन है जो नाओमी से सबंधित है।

देखें: ‘आप’ के रूप

रूत 1:11 (#1)

וַתֹּ֣אמֶר נָעֳמִ֔י

“पर नाओमी ने कहा”

यहाँ **पर** शब्द यह दर्शाता है कि बहुओं ने जो कहा था और नाओमी जो कहने वाली है, उसके बीच एक मजबूत विरोधाभास है। अपने अनुवाद में, इस प्रबल विरोधाभास को अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके से दर्शाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “हालाँकि, नाओमी ने कहा”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

रूत 1:11 (#2)

בְּנֹתַ֖י

“हे मेरी बेटियों”

ओर्पा और रूत नाओमी की बहुएँ हैं, लेकिन यहाँ और अगले दो पदों में वह उन्हें **मेरी बेटियां** कहकर सम्बोधित करती है, जो स्नेह का एक तरीका है। यदि आपकी भाषा ऐसा नहीं करती तो आप स्नेह को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हे मेरी प्रिय बहुएँ”

रूत 1:11 (#1)

לָ֣מָּה תֵלַ֣כְנָה עִמָּ֣י

“क्यों मेरे संग चलोगी”

“यह एक बयानबाजी प्रश्न है। वैकल्पिक अनुवाद: “”तेरा मेरे साथ जाने से कोई मतलब नहीं है।““ या “”तुम्हें मेरे साथ नहीं जाना चाहिए।““

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रूत 1:11 (#2)

הֲעוֹד־לִ֣י בָנִים֮ בְּמֵעַ֣י וְהָיוּ־לָכֶם֒ לַאֲנָשִֽׁים

““क्या कोख में और पुत्र हैं“

“यह एक बयानबाजी प्रश्न है। नाओमी इस प्रश्न का उपयोग यह कहने के लिए करती है कि उनके विवाह के लिए वे अब पुत्रों को जन्म नहीं दे सकती। वैकल्पिक अनुवाद: “”स्पष्ट रूप से यह संभव नहीं है कि मैं और पुत्रों को जन्म दूँ जो तुम्हारे पति हो सकें।““

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रूत 1:12 (#1)

זְקַנְתִּי מִהְיוֹת לְאִֽישׁ

“पति करने को बूढ़ी”

“पति की महत्वत्ता का कारण स्पष्टता से बताया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”मैं पुन: विवाह करने और बच्चों को जन्म देने के लिए बहुत बूढी हो गई हूँ““

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 1:12 (#2)

כִּ֣י אָמַ֣רְתִּי֮ יֶשׁ־לִ֣י תִקְוָה֒ גַּ֣ם הָיִ֣יתִי הַלַּ֣יְלָה לְאִ֣ישׁ וְגַ֣ם יָלַ֣דְתִּי בָנִֽים

““हूँ।“

“यह बयानबाजी प्रश्न यहाँ से शुरू होकर और अगले पद में जारी रहता है। नाओमी इस प्रश्न का उपयोग यह कहने के लिए करती है कि उस से अब पुत्र नहीं हो सकते जिनसे उनका विवाह हो सके। वैकल्पिक अनुवाद: “”भले ही यह संभव हो कि मुझे आशा है, और आज मेरा पति होता भी, और मेरे पुत्र भी होते ...““

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रूत 1:12 (#3)

““मेरे पुत्र भी“

बच्चों को जन्म देना या **पुत्रों को जन्म देना**

रूत 1:13 (#1)

הֲלָהֵ֣ן תְּשַׂבֵּ֣רְנָה עַ֣ד אֲשֶׁ֣ר יִגְדָּ֣לוּ הֲלָהֵ֗ן תֵּעָגֵ֣נָה לְבִלְתִּ֣י הֱיוֹת֮ לְאִֽישׁ

““तो भी क्या“ - “आशा” - “उनके निमित्त पति”

नाओमी पिछले पद के बयानबाजी सवाल को पूरा करती है, और एक दूसरे सवाल को पूछती है जो सामान अर्थ पर महत्त्व देता है। वैकल्पिक अनुवाद: “ ... तुम उनके बड़े होने तक इंतजार नहीं करोगे ताकि तुम उनसे शादी कर सको। इससे पहले ही तुम्हें एक पति से शादी करनी होगी।”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रूत 1:13 (#2)

הֲלָהֵ֣ן תְּשַׂבֵּ֣רְנָה עַ֣ד אֲשֶׁ֣ר יִגְדָּ֣לוּ הֲלָהֵ֗ן תֵּעָגֵ֣נָה לְבִלְתִּ֣י הֱיוֹת֮ לְאִֽישׁ

““तो भी क्या“ - “आशा” - “उनके निमित्त पति”

यह नियोग विवाह की प्रथा की ओर संकेत करता है, जिसमें यह उम्मीद की जाती है कि, यदि विवाहित व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसका एक भाई उस विधवा से शादी करेगा। अधिक स्पष्टीकरण के लिए परिचय देखें।

रूत 1:13 (#3)

מַר־לִ֣י מְאֹ֑ד

““मेरा“ - “बहुत” - “उठा”

“कड़वाहट दु:ख का अलंकार है। वैकल्पिक अनुवाद: “”इस से मुझे बहुत पीड़ा पहुँचती है““

देखें: रूपक

रूत 1:13 (#4)

יָצְאָ֣ה בִ֣י יַד־יְהוָ֔ה

““करने से“ - “यहोवा”

शब्द **हाथ** यहोवा की शक्ति या प्रभाव को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा ने मेरे साथ बहुत बुरा होने दिया है”

देखें: प्रतिन्यास

रूत 1:13 (#5)

יָצְאָ֣ה בִ֣י יַד־יְהוָ֔ה

““करने से“ - “यहोवा”

“यहोवा ने जो किया है, वह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”यहोवा ने हमारे पतियों को छीन लिया““

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 1:14 (#1)

וַתִּשֶּׂ֣אנָה קוֹלָ֣ן וַתִּבְכֶּ֑ינָה

““चिल्ला चिल्लाकर रोने“

इसका मतलब है कि वे जोर से रोई या फूट-फूट कर रोई।

देखें: मुहावरा

रूत 1:14 (#2)

וְרוּת דָּבְקָה בָּהּ

“को” - “रूत” - “अलग न हुई”

“**रूत उससे लिपट गई**। वैकल्पिक अनुवाद: “”रूत ने उसे अलग होने से मना कर दिया““ या “”रूत उसे नहीं छोड़ेगी““

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 1:15 (#1)

הִנֵּה

“”

ध्यान दें, क्योंकि जो मैं कहने जा रही हूँ वह सच और महत्वपूर्ण है।

रूत 1:15 (#2)

“जिठानी”

तेरे पति के भाई की पत्नी या **ओर्पा**। इस व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे प्राकृतिक तरीके का उपयोग करें।

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

रूत 1:15 (#3)

עַמָּהּ

“अपने लोगों”

यहाँ, नाओमी उन लोगों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग कर रही है जिनसे ओर्पा सम्बन्धित है। अगर आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग नहीं है, तो आप इसे किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने कुल जिससे वह आई थी”

देखें: स्वामित्व

रूत 1:15 (#3)

אֱלֹהֶיהָ

“देवता”

इस से पहिले कि ओर्पा और रूत ने नाओमी के पुत्रों से शादी की, वो मोआब के देवताओं की पूजा करती थी। शादी के पश्चात, वो यहोवा की उपासना करने लगी। अब, ओर्पा फिर से मोआब के देवताओं की पूजा करने लगी।

रूत 1:15 (#5)

אֱלֹהֶיהָ

“अपने देवता”

यहाँ अनुवादित शब्द **देवता** बहुवचन है, लेकिन इब्रानी भाषा में अक्सर किसी देवता का उल्लेख करते समय बहुवचन का उपयोग होता है। यहाँ यह संभवतः मोआबियों के देवता कमोश को संदर्भित करता है, जैसा कि 1 राजाओं 11:33 में है। यदि आपके क्षेत्र में प्रचलित बाइबल यहाँ बहुवचन का प्रयोग करती है, तो आप भी ऐसा करना चुन सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने देवताओं”

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

रूत 1:16 (#1)

“वहाँ मैं टिकूँगी”

जहाँ तू रहे

रूत 1:16 (#2)

לְעָזְבֵךְ לָשׁוּב מֵאַחֲרָיִךְ

“कि मुझे त्याग या छोड़कर लौट जा”

वाक्यांश **छोड़कर लौट जा** वाक्यांश **मुझे त्याग** को और अधिक परिभाषित करता है। रूत जोर देने के लिए इन दोनों वाक्यांशों का एक साथ उपयोग कर रही है। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कि तेरे प्रति विश्वासयोग्य रहने की मेरी प्रतिबद्धता को भूल जाऊँ”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रूत 1:16 (#2)

עַמֵּךְ עַמִּי וֵאלֹהַיִךְ אֱלֹהָי

“लोग लोग”

“रूत नाओमी के समाज, इस्राएलियों का जिक्र कर रही थी। वैकल्पिक अनुवाद: “”तेरे देश के लोग मेरे अपने लोग होंगे““ या “”मैं तेरे रिश्तेदारों को अपने निज रिश्तेदार मानूंगी““

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 1:17 (#2)

כֹּה יַעֲשֶׂה יְהוָה לִי וְכֹה יֹסִיף

“और” - “तो यहोवा वैसा ही” - “अधिक करे”

यह एक मुहावरा है जिसे रूत इस बात को दिखाने के लिए इस्तेमाल करती है कि वह जो कहती है उसे करने के लिए प्रतिबद्ध है। वह खुद पर एक अभिशाप ला रही है, कि यदि वे अपनी प्रतिज्ञा को पूरा ना करे तो परमेश्वर उसे दंडित करे। ऐसा में आपकी भाषा जिस रूप का उपयोग करती है, उसका उपयोग करें।

देखें: मुहावरा

रूत 1:17 (#3)

כִּי הַמָּוֶת יַפְרִיד בֵּינִי וּבֵינֶךָ

“”मृत्यु“

अगर मौत के अलावा कोई भी हमें एक दूसरे से अलग करे या **अगर मैं तुम्हें छोड़ दूँ जब हम दोनों जीवित हों**

रूत 1:17 (#4)

יַפְרִ֣יד בֵּינִ֔י וּבֵינֶֽךָ

“”छोड़“ - “से अलग” - “उससे”

“यह एक मुहावरा है जो दो लोगों के बीच की जगह को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”हम दोनों को अलग करता है”“ या “”हमारे बीच आता है। “”

देखें: मुहावरा

रूत 1:18 (#1)

וַתֶּחֱדַ֥ל לְדַבֵּ֖ר אֵלֶֽיהָ

“को तैयार” - “बात”

नाओमी ने रूत से उलझना छोड़ दिया

रूत 1:18 (#2)

וַתֶּחֱדַ֥ל לְדַבֵּ֖ר אֵלֶֽיהָ

“तब उसने उससे और बात न कही”

“इस वाक्यांश में, शब्द **उसने** नाओमी को संदर्भित करता है, और शब्द **उससे** रूत को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप यहाँ पर उनके नाम का उपयोग कर सकते हैं। इसका यह अर्थ नहीं है कि नाओमी रूत से नाराज थी या उसने उससे बात करना बिल्कुल बन्द कर दिया था। इसका केवल यह अर्थ है कि उसने रूत को छोड़ कर जाने के लिए मनाने की कोशिश करना बन्द कर दिया। वैकल्पिक अनुवाद: “”तब नाओमी ने रूत को मनाने की कोशिश करना बन्द कर दिया““

देखें: सर्वनाम

रूत 1:19 (#1)

וַיְהִ֤י

“उनके” - “कारण”

यह वाक्य कहानी में एक नई घटना का परिचय देता है।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

रूत 1:19 (#2)

כְּבֹאָ֣נָה בֵּֽית־לָ֗חֶם

“बैतलहम”

यहाँ पृष्ठभूमि पद विवरण देते हुए कि जब नाओमी रूत के साथ बैतलहम लौटी तब एक नई घटना घटी।

देखें: जोड़ें – पृष्ठभूमि जानकारी

रूत 1:19 (#3)

כָּל־הָעִ֔יר

“सारे नगर”

“**नगर** का तात्पर्य वहां रहने वाले लोगों से है। वैकल्पिक अनुवाद: “”नगर में हर कोई““

देखें: प्रतिन्यास

रूत 1:19 (#4)

כָּל־הָעִ֔יר

“सारे नगर”

यहाँ **सारे** अतिशयोक्ति है। नगर के कई निवासी उत्साहित थे, लेकिन कुछ इस खबर से उत्साहित नहीं थे।

देखें: अतिशयोक्ति

रूत 1:19 (#5)

הֲזֹ֣את נָעֳמִ֑י

“क्या यह नाओमी”

चूँकि नाओमी को बैतलहम में रहते हुए कई साल हो चुके थे और अब उसका पति और दो बेटे नहीं हैं, इसलिए संभावना है कि महिलाएँ संदेह व्यक्त कर रही थीं कि यह महिला वास्तव में नाओमी थी। इसे एक वास्तविक प्रश्न मानें, न कि एक बयानबाजी।

रूत 1:20 (#1)

אַל־תִּקְרֶ֣אנָה לִ֔י נָעֳמִ֖י

“”नाओमी न“

नाम **नाओमी** का अर्थ है **मेरा आनंद**। चूंकि नाओमी ने अपने पति और बेटों को खो दिया, इसलिए उसे अपना जीवन उसके नाम से मेल खाता नहीं दिखाई देता।

रूत 1:20 (#2)

מָרָ֑א

“मारा”

“यह एक इब्रानी नाम का शाब्दिक अनुवाद है जिसका अर्थ है “”कड़वाहट। “” चूंकि यह एक नाम है, आप अंग्रेजी रूप का उपयोग करने के लिए चुन सकते हैं, जो **कड़वाहट** है, और एक टिप्पणी का उपयोग करें यह समझाते हुए कि अंग्रेजी शब्द इब्रानी नाम का अर्थ देता है

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रूत 1:21 (#1)

אֲנִי֙ מְלֵאָ֔ה הָלַ֖כְתִּי וְרֵיקָ֑ם הֱשִׁיבַ֨נִי יְהוָ֜ה

“मैं भरी पूरी चली गई” - “खाली यहोवा” - “फिर”

जब नाओमी ने बैतलहम को छोड़ा, तो उसका पति और दो बेटे उसके साथ थे, और वह खुश थी। नाओमी अपने पति और पुत्रों की मौत के लिए यहोवा को दोषी ठहराती है, यह कहते हुए कि उसने बैतलहम को उनके बिना वापस जाने का कारण बना दिया है, और अब वह शोकमय और दुखी है।

रूत 1:21 (#2)

לָ֣מָּה תִקְרֶֽאנָה לִי֩ נָעֳמִ֨י

“तुम मुझे क्यों नाओमी कहती हो”

नाओमी प्रश्नवाचक रूप का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए कर रही है कि उसे नाओमी कहने का कोई कारण नहीं है। यदि आप इस उद्देश्य के लिए अपनी भाषा में प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मुझे नाओमी कहने का कोई कारण नहीं है!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रूत 1:21 (#3)

וַיהוָה֙ עָנָ֣ה בִ֔י וְשַׁדַּ֖י הֵרַ֥ע לִֽי

“इसलिए जबकि यहोवा ही ने मेरे विरुद्ध साक्षी दी, और सर्वशक्तिमान ने मुझे दुःख दिया है”

ये दोनों कथन अलग-अलग शब्दों का उपयोग करके एक ही बात व्यक्त करते हैं कि परमेश्वर ने नाओमी के जीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। दोनों **यहोवा** और **सर्वशक्तिमान** परमेश्वर को संदर्भित करते हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप कथनों को इस तरह से जोड़ सकते हैं कि दूसरा कथन कोई नई बात नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “इसलिए जबकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर यहोवा ने मेरा विरोध किया है और मेरे साथ बुरा किया है।”

देखें: समानांतरता

रूत 1:21 (#2)

עָנָ֣ה בִ֔י

“मुझे”

मुझे दोषी ठहिराया

रूत 1:21 (#3)

“मुझे” - “विरुद्ध”

मुझ पर विपत्ति आने दी या मेरे लिए दुर्भाग्य हुआ

रूत 1:22 (#1)

וַתָּ֣שָׁב נָעֳמִ֗י וְרוּת֙ הַמּוֹאֲבִיָּ֣ה כַלָּתָ֔הּ עִמָּ֖הּ הַשָּׁבָ֑ה מִשְּׂדֵ֣י מוֹאָ֔ב

“”नाओमी“

एक सारांश कथन यहाँ शुरू होता है। अंग्रेजी में यह शब्द **इस प्रकार ** द्वारा अंकित है। यह निर्धारित करें कि आपकी भाषा के चिन्ह/मार्क कैसे निष्कर्ष या सारांश बयान करते हैं और यहाँ इस का पालन करें।

देखें: कहानी का अंत

रूत 1:22 (#2)

וְהֵ֣מָּה בָ֔אוּ בֵּ֥ית לֶ֖חֶם בִּתְחִלַּ֥ת קְצִ֥יר שְׂעֹרִֽים

“”वे जौ कटने“

यह वाक्य पृष्ठभूमि की जानकारी देता है, जिसमें बताया गया कि नाओमी और रूत बैतलहम में उस समय आए थे जब इस्राएली जौ की कटाई कर रहे थे।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

रूत 1:22 (#3)

בִּתְחִלַּ֥ת קְצִ֥יר שְׂעֹרִֽים

“”जौ कटने“

“**जौ की फसल**। वाक्यांश **जौ की कटनी** का अनुवाद मौखिक वाक्यांश के साथ किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”जब किसान जौ की फसल की कटनी की शुरुआत करने वाले थे““

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

रूत 2:1 (#1)

וּלְנָעֳמִ֖י מוֹדַ֣ע לְאִישָׁ֑הּ

“नाओमी”

पद 1, बोअज के विषय में पृष्ठभूमि की जानकारी देता है ताकि पाठक समझें कि वह कौन है। आपकी भाषा में पृष्ठभूमि की जानकारी देने का एक विशिष्ट तरीका भी हो सकता है।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

रूत 2:1 (#2)

וּלְנָעֳמִ֖י מוֹדַ֣ע לְאִישָׁ֑הּ

“नाओमी”

यह वाक्य कहानी के अगले भाग का परिचय देता है, जिसमें रूत बोअज से मिलती है। बोअज को कहानी में एक नए प्रतिभागी के रूप में यहां पेश किया गया है। आपकी भाषा में एक कहानी में नई घटनाओं या नए पात्रों को पेश करने का एक विशिष्ट तरीका भी हो सकता है।

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

रूत 2:1 (#3)

אִ֣ישׁ גִּבּ֣וֹר חַ֔יִל

“पति” - “बड़ा धनी कुटुम्बी”

एक प्रमुख, धनी व्यक्ति। इसका अर्थ यह है कि बोअज अपने समुदाय में एक अच्छी प्रतिष्ठा के साथ खुशहाल और नामवरी था।

रूत 2:1 (#4)

מִמִּשְׁפַּ֣חַת אֲלִימֶ֔לֶךְ

“”एलीमेलेक“

इस शब्द **कबीले** का अर्थ है कि बोअज एलीमेलेक के कुल से था लेकिन एलिमेलेक के माता-पिता उसके माता पिता नहीं थे। मूलपाठ यह नहीं कह रहा कि कबीले का नाम एलीमेलेक के नाम पर रखा गया या कि एलीमेलेक कबीले का संरक्षक या सरदार था।

रूत 2:2 (#1)

רוּת הַמּוֹאֲבִיָּה

“मोआबिन रूत”

यहाँ कहानी फिर से शुरू होती है। इसे इस रीति से इंगित करें कि आपकी भाषा में पृष्ठभूमि की जानकारी देने के बाद किसी कहानी की घटनाओं को पुन: प्रारंभ करती है।

रूत 2:2 (#2)

“मोआबिन”

यह कथन का एक और तरीका है कि महिला मोआब देश या कबीले से थी।

रूत 2:2 (#4)

אֲשֶׁר אֶמְצָא־חֵן בְּעֵינָיו

“”अनुग्रह“

“वाक्यांश **जो मुझ पर अनुग्रह करे** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “”जो कोई मुझे स्वीकार करेगा।““ रूत जैसे किसी से अनुमति और स्वीकृति ली जाती है वैसे ही किसी से तरफदारी लेने की बात करती है। वैकल्पिक अनुवाद: “”जो मुझ पर दया करेगा““

देखें: मुहावरा

रूत 2:2 (#6)

בִּתִּי

“बेटी”

रूत नाओमी की ऐसे देखेंभाल कर रही जैसे कि वह उसकी अपनी माँ हो, और नाओमी ने रूत को स्नेह से अपनी बेटी कह कर संबोधित किया। यदि यह आपकी भाषा में भ्रमित है, तो उस शब्द का उपयोग करें जो आपकी भाषा में दो महिलाओं के बीच इस तरह के करीबी रिश्ते को इंगित करे।

रूत 2:3 (#1)

וַיִּקֶר מִקְרֶהָ

“संयोग”

इसका मतलब रूत को इस बात की जानकारी नहीं थी कि वह जिस खेत में उसने बीनना चुना, वह नाओमी के रिश्तेदार बोअज का है।

रूत 2:3 (#2)

מִמִּשְׁפַּחַת אֱלִימֶלֶךְ

“”एलीमेलेक“

शब्द **कबीले** का अर्थ है कि बोअज एलीमेलेक के कुल से था लेकिन एलिमेलेक के माता-पिता उसके माता पिता नहीं थे। मूलपाठ यह नहीं कह रहा कि कबीले का नाम एलीमेलेक के नाम पर रखा गया या कि एलीमेलेक कबीले का संरक्षक या सरदार था।

रूत 2:4 (#1)

וְהִנֵּה

“”

शब्द **ध्यान से देखना** हमें महत्वपूर्ण घटना से सचेत करता है, बोअज का खेत में आना और पहली बार रूत को देखना। कहानी में आगे क्या होता है, आपकी भाषा में किसी को ध्यानपूर्वक देखने के लिए सचेत करने का विशिष्ट तरीका हो सकता है।

देखें:

रूत 2:4 (#2)

בָּא מִבֵּית לָחֶם

“बैतलहम आकर”

बैतलहम के बाहर खेत एक अनिर्दिष्ट दूरी पर थे।

रूत 2:4 (#3)

יְהוָה עִמָּכֶם

“यहोवा तुम्हारे संग रहे”

यह एक आशीष है जो अभिवादन के रूप में उपयोग की जाती है। अपनी भाषा में इसके लिए एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं यहोवा से प्रार्थना करती हूँ कि वह तुम्हारे साथ रहें”

देखें: आशीषें

रूत 2:4 (#3)

“यहोवा” - “आशीष”

यहोवा तुम्हारे साथ भलाई करे। यह एक सामान्य आशीष थी।

रूत 2:5 (#3)

“”ऊपर ठहराया“

जो प्रभारी था या **जो प्रबंध कर रहा था**

रूत 2:5 (#1)

לְמִי הַנַּעֲרָה הַזֹּאת

“किस की कन्या है”

उस संस्कृति में, महिलाएं अपने पुरुष रिश्तेदारों के अधिकार के अधीन में थीं। बोअज पूछ रहा था कि रूत का पति या पिता कौन है। उसने नहीं सोचा था कि रूत एक दासी थी।

रूत 2:6 (#1)

וַיַּ֨עַן & וַיֹּאמַ֜ר

“उत्तर दिया”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में “तब” और “कहा” का उपयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वी. में इन शब्दों का उपयोग नहीं किया गया है। शब्द **उत्तर दिया** एक विचार को व्यक्त करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर ... उसे उत्तर देते हुए कहा” या “फिर ... कहा”

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

रूत 2:7 (#1)

וַתֹּ֣אמֶר אֲלַקֶּטָה־נָּא֩ וְאָסַפְתִּי֨ בָעֳמָרִ֜ים אַחֲרֵ֣י הַקּוֹצְרִ֗ים

“उसने कहा था, ‘मुझे लवनेवालों के पीछे-पीछे पूलों के बीच बीनने और बालें बटोरने दे’”

यदि आपकी भाषा में प्रत्यक्ष उद्धरण के अन्दर प्रत्यक्ष उद्धरण का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस दूसरे प्रत्यक्ष उद्धरण का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने मुझ से पूछा कि क्या वह लवनेवालों के पीछे-पीछे पूलों के बीच से बीन सकती और बालें बटोर सकती है”

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

रूत 2:7 (#2)

אֲלַקֶּטָה־נָּא֩ וְאָסַפְתִּי֨

“मुझे... बीनने और बालें बटोरने दे”

दो शब्द **बीनने** और **बटोरने दे** एक ही विचार व्यक्त करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मुझे ... बीन कर बालें बटोरने दे”

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

रूत 2:7 (#2)

“घर”

झोपड़ी या **कुटिया**। यह खेत में एक अस्थायी कुटिया या बगीचे की झोपड़ी थी जो धूप से छाया प्रदान करती थी, जहां मज़दूर आराम कर सकते थे।

रूत 2:8 (#1)

הֲלֹ֣א שָׁמַ֣עְתְּ בִּתִּ֗י

“बेटी सुनती”

“इसे आदेश के रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”मेरी बेटी, मेरी बात सुनो !““ या “”मेरी बेटी, ध्यान दें कि मैं तुझे क्या बताता हूँ !““

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रूत 2:8 (#2)

בִּתִּ֗י

“बेटी”

यह उम्र में छोटी महिला को संबोधित करने का एक तरीका था। रूत बोअज की असल बेटी नहीं थी, लेकिन वह उससे प्यार और आदर से पेश आ रहा था। उस शब्द का उपयोग करें जो आपकी भाषा में यह दर्शाता है।

देखें: मुहावरा

रूत 2:9 (#1)

עֵינַ֣יִךְ בַּשָּׂדֶ֔ה

“”खेत“

“**आँखें** एक ऐसा अनुनाम है जो ध्यान को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”खेत पर ध्यान दे““ या “”केवल खेत पर ही तेरा ध्यान हो““

देखें: प्रतिन्यास

रूत 2:9 (#2)

אַחֲרֵיהֶ֑ן

“उन्हीं के पीछे-पीछे”

यहाँ, शब्द **उन्हीं** स्त्रीलिंग है और यह पद 8 में “दासियों” की ओर इशारा करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “स्त्रियों के पीछे-पीछे”

देखें: सर्वनाम

रूत 2:9 (#2)

הֲלֹ֣א צִוִּ֗יתִי אֶת־הַנְּעָרִ֜ים לְבִלְתִּ֣י נָגְעֵ֣ךְ

“”मैंने नहीं न छुए?“

“बोअज ने इस सवाल का इस्तेमाल अपनी मेहमान नवाजी जोर देने के लिए किया - कि उसने रूत की मदद के लिए पहले ही प्रावधान कर दिया था। वैकल्पिक अनुवाद: “”मैंने पुरुषों को सख्त हिदायत दी है कि वे तुम्हें परेशान ना करें।““

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रूत 2:9 (#3)

אֶת־הַנְּעָרִ֜ים

“न” - “तुझे”

युवा पुरुष मज़दूर * या **सेवक**। शब्द **युवा पुरुषों** का उपयोग तीन बार उन जवानों को संदर्भित करने के लिए किया है जो खेत में कटाई कर रहे हैं।

रूत 2:9 (#4)

לְבִלְתִּ֖י נָגְעֻ֣ךָ

“”छुए?“

यह कहने का एक विनम्र तरीका था कि पुरुष रूत के साथ शारीरिक रूप से बुराई नहीं करेंगे या उसके साथ यौन उत्पीड़न नहीं करेंगे, और संभवतः यह भी कि पुरुष उसे अपने खेत में बीनने से नहीं रोकेंगे।

रूत 2:9 (#5)

“”जिस“ - “जवानों”

पानी निकालने का अर्थ कुएँ से पानी खींचना या बरतन से पानी लेना।

रूत 2:10 (#2)

וַתִּפֹּ֤ל עַל־פָּנֶ֙יהָ֙ וַתִּשְׁתַּחֲוֶ֔ה אָ֖רְצָה

“”भूमि झुककर मुँह“

ये एक क्रिया के दो उल्लेख हैं। यदि यह आपकी भाषा में भ्रमित है, तो केवल एक विवरण का उपयोग करें, जैसे कि यू एस टी में किया गया है।

देखें: युग्म

रूत 2:10 (#1)

וַתִּפֹּ֤ל עַל־פָּנֶ֙יהָ֙ וַתִּשְׁתַּחֲוֶ֔ה אָ֖רְצָה

“”भूमि झुककर मुँह“

ये प्रतिष्ठा और सम्मान के कार्य हैं। वह उस काम के लिए जो बोअज ने उस के लिए किया, इस कारण वह बोअज के प्रति कृतज्ञता से सम्मान प्रकट कर रही थी। यह विनम्रता की मुद्रा भी थी।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

रूत 2:10 (#3)

וַתִּפֹּ֤ל עַל־פָּנֶ֙יהָ֙ וַתִּשְׁתַּחֲוֶ֔ה אָ֖רְצָה

“”मुँह“

यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि वह मुँह के बल भूमि पर झुकी।

देखें: मुहावरा

रूत 2:10 (#4)

מַדּוּעַ֩ מָצָ֨אתִי חֵ֜ן בְּעֵינֶ֗יךָ לְהַכִּירֵ֤נִי וְאָנֹכִ֙י נָכְרִיָּ֔ה

“”क्या“ - “अनुग्रह”

रूत एक वास्तविक प्रश्न पूछ रही है।

रूत 2:10 (#5)

מָצָ֨אתִי חֵ֜ן בְּעֵינֶ֗יךָ

“”अनुग्रह“

“वाक्यांश **तेरी नजर में अनुग्रह पाया** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “”आप ने किसी को स्वीकार किया है““1 रूत जैसे किसी से अनुमति और स्वीकृति ली जाती है वैसे ही किसी से तरफदारी लेने की बात करती है। वैकल्पिक अनुवाद: “”अपने मुझ पर दया की है““

देखें: मुहावरा

रूत 2:11 (#1)

“बोअज उत्तर दिया” - “बताया गया है”

दोनों **ने उत्तर दिया** और **कहा कि** एक ही कार्य की व्याख्या है। यदि यह आपकी भाषा में भ्रमिक है, तो आप इसके लिए केवल एक क्रिया का उपयोग कर सकते हैं, जैसे कि UST में किया गया है।

देखें: युग्म

रूत 2:11 (#2)

הֻגֵּ֥ד הֻגַּ֖ד

“यह सब मुझे विस्तार के साथ बताया गया है”

ये शब्द **यह सब मुझे विस्तार के साथ** एक क्रिया का अनुवाद करते हैं जिसे सूचना की पूर्णता पर जोर देने के लिए दो बार दोहराया गया है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में उस संरचना का उपयोग करना उपयुक्त होगा।

देखें: पुनरावृत्ति

रूत 2:11 (#2)

הֻגֵּ֥ד הֻגַּ֖ד לִ֑י

“तू”

इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: **लोगों ने मुझे सूचना दी** या **लोगों ने मुझे बताया**

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रूत 2:11 (#4)

וַתֵּ֣לְכִ֔י אֶל־עַ֖ם

“अपने” - “लोगों” - “आई”

बोअज रूत का उल्लेख कर रहा है, कि वह नाओमी के साथ एक गाँव, समाज और ऐसे देश में बसने आई जिसे वह नहीं जानती।

देखें: प्रतिन्यास

रूत 2:11 (#5)

תְּמ֣וֹל שִׁלְשׁוֹם

“किस प्रकार” - “पहले”

“यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “”हा‍ ही में““ या “”पहले से““

देखें: मुहावरा

रूत 2:12 (#2)

פָּעֳלֶ֔ךָ

“करनी”

“जो बोअज ने पद 11 में बताया यह उसी का उल्लेख है। वैकल्पिक अनुवाद: “”तेरे भले काम।““”

रूत 2:12 (#3)

וּתְהִ֨י מַשְׂכֻּרְתֵּ֜ךְ שְׁלֵמָ֗ה מֵעִ֤ם יְהוָה֙

“यह एक काव्य भाव जो पिछले वाक्य के समान है। वैकल्पिक अनुवाद: “”यहोवा आपको वह सब कुछ दे जिसके आप हकदार हैं““ दे

देखें: समांतरता

रूत 2:12 (#4)

אֲשֶׁר־בָּ֣אתָ לַחֲסוֹת תַּחַת־כְּנָפָיו

““पंखों“

“यह अलंकार एक मादा पक्षी की तस्वीर का उपयोग करता है जो अपने पंखों के नीचे अपने बच्चों को इकट्ठा करती है यह व्याख्या करने हेतु कि जो उस में विश्वास रखते हैं परमेश्वर उन की सुरक्षा इसी रीति से करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”जिसकी सुरक्षित देखेंभाल में आपने खुद को रखा है““

देखें: रूपक

रूत 2:13 (#1)

אֶמְצָא־חֵ֥ן בְּעֵינֶ֖יךָ

““अनुग्रह“

“यहाँ **तेरा अनुग्रह रहे ** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है स्वीकृत होना या कि वह उससे प्रसन्न है। वैकल्पिक अनुवाद: “”क्या आप मुझे स्वीकृत करेंगे““ या “”आप मुझ से प्रसन्न रहें““

देखें: मुहावरा

रूत 2:13 (#3)

אֲדֹנִי

“प्रभु”

“बोअज रूत का स्वामी नहीं, लेकिन वह उस खेत का मालिक है जहाँ वह बीन रही है। वह एक यहूदी भी है और शहर का एक प्रमुख व्यक्ति भी है। इसलिए, रूत उसे अपना स्वामी कहकर उसका सम्मान कर रही है, और खुद को उसकी दासी बोल रही है। वैकल्पिक अनुवाद: “”श्रीमान““ या “”स्वामी““”

रूत 2:13 (#3)

עַל־לִבֵּ֣ךְ שִׁפְחָתֶ֗ךָ

“तूने अपनी दासी के मन में”

रूत अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रही हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं है, तो आप प्रथम पुरुष के रूप उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मुझ, अपनी दासी के मन में”

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

रूत 2:13 (#4)

עַל־לִבֵּ֣ךְ

“के मन में”

यहाँ, **मन** एक व्यक्ति के आंतरिक विचारों और भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग रूपक का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “के जिगर में” या “से दया के साथ” या “से प्रोत्साहन देने वाली बातें”

देखें: रूपक

रूत 2:13 (#5)

שִׁפְחָתֶ֗ךָ

“अपनी दासी”

रूत खुद को बोअज की दासी के रूप में संदर्भित कर रही है ताकि वह उसके प्रति आदर दिखा सके। वह वास्तव में उसकी दासी नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो एक दासी के समान नीच है”

देखें: विनम्रता

रूत 2:13 (#4)

וְאָנֹכִי֙ לֹא֙ אֶהְיֶ֔ה כְּאַחַ֥ת שִׁפְחֹתֶ֖יךָ

“रहे” - “मैं” - “बराबर नहीं दासी”

रूत आश्चर्य और कृतज्ञता व्यक्त कर रही है कि बोअज उसके साथ ऐसा व्यवहार कर रहा है जैसे वह उसकी दासी हो जब कि वह नहीं है।

रूत 2:14 (#1)

“समय” - “रोटी”

यह दोपहर के भोजन का संकेत देता है।

रूत 2:14 (#2)

גֹּ֣שִׁי הֵ֔לֹם וְאָכַלְתָּ֖ מִן־הַלֶּ֑חֶם וְטָבַלְתָּ֥ פִתְּךָ֖ בַּחֹֽמֶץ

“यहीं आकर रोटी खा, और अपना कौर सिरके में डूबा”

इस वाक्य में क्रियाएँ आज्ञासूचक हैं जो आज्ञा के बजाय एक अनुग्रहपूर्ण आमंत्रण का बोध कराती हैं। अपनी भाषा में ऐसे रूप का प्रयोग करें जो अनुग्रहपूर्ण आमंत्रण का बोध कराता हो। इसे स्पष्ट करने के लिए “कृपया” जैसे वाक्यांश जोड़ना उपयोगी हो सकता है।

वैकल्पिक अनुवाद: “कृपया आइए और रोटी लेकर उसे सिरके में डुबोकर खाइए”

देखें: आज्ञाएँ – अन्य उपयोग

रूत 2:14 (#3)

וְאָכַלְתְּ מִן־הַלֶּחֶם וְטָבַלְתְּ פִּתֵּךְ בַּחֹמֶץ

“रोटी खा, और अपना कौर सिरके में डूबा”

रोटी को सिरके में डुबोना और फिर उसे खाना आवश्यक होगा, इसलिए यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो सकता है कि रोटी को डूबाने की जानकारी पहले दी जाए। वैकल्पिक अनुवाद: “इस रोटी में से कुछ को सिरके में डुबोकर खा”

देखें: सूचना संरचना

रूत 2:14 (#2)

וְטָבַלְתְּ פִּתֵּךְ בַּחֹמֶץ

“”खाने“ - “सिरके”

यह खेत में बैठ कर खाया जाने वाला साधारण भोजन था। लोग एक कपड़ा बिछा कर उस के चारों ओर भूमि पर बैठते थे, उस पर एक सिरके से भरा कटोरा और रोटी के टुकड़े रखे होते थे। वे रोटी का एक टुकड़ा लेते और इसे खाने से पहले स्वाद बढ़ाने के लिए सिरके में डुबोते हैं।

रूत 2:15 (#1)

וַיְצַו בֹּעַז אֶת־נְעָרָיו

“”बीनने उठी बोअज“

“जब बोअज ने अपने सेवकों से बात की, तो संभव है कि रूत काफी दूर थी, ताकि वह बोअज की वार्तालाप को न सुन सके। वैकल्पिक अनुवाद: “”और जब रूत अनाज को बीनने के लिए उठी, तो बोअज ने अपने जवानों को निजी तौर पर बताया““

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 2:15 (#3)

גַּם בֵּין הָעֳמָרִים

“”पूलों“

शब्द **भी** सेवकों को मालूम हो कि जो वे सामान्य रूप से करते हैं, उन्हें उससे भी ज्यादा और थोड़ा सा हट के करना है। जो लोग बीन रहे थे, उन्हें आमतौर पर इस बात के लिए मना किया जाता था कि उन्हें कटनी के समय पूलों के करीब ना बीनने दे क्योंकि वे अनाज को चुरा सकते थे। लेकिन बोअज ने अपने सेवकों को निर्देश दिया कि वह रूत को पूलों के बीच में भी जाने दें।

रूत 2:15 (#3)

וְלֹא תַכְלִימוּהָ

“और दोष मत लगाओ”

बोअज, रूत को मौखिक रूप से डाँटकर उसे लज्जित करने की बात कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और ये कह कर उस पर दोष मत लगाओ कि उसे रुक जाना चाहिए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रूत 2:16 (#1)

וְגַם

“”मुट्ठी भर कुछ-कुछ निकालकर गिरा“ - “उसके”

वरन पूलों की मुट्ठी में से भी कुछ निकाल कर, और उसके लिये छोड़ दो या **उसके बीनने के लिए पूले पीछे छोड़ दो**। यहाँ बोअज सामान्य से परे एक और कदम बढ़ाता है, और अपने सेवकों से कहता है कि वह कुछ अनाज छोड़ दे जो पहले से ही रूत के बीनने के लिए काटा गया था।

रूत 2:16 (#2)

“उसे डाँटना मत”

उसे शर्मिंदा ना करो या **उस के साथ रूखेपन से ना बोलो**

रूत 2:17 (#1)

וַתַּחְבֹּט

“फटका”

उसने छिलके और डंठल से दाने के खाने योग्य भाग को अलग कर दिया, जिन्हें फेंक दिया जाता है।

रूत 2:17 (#2)

כְּאֵיפָה

“एपा” - “जौ”

“एक **एपा** लगभग 22 लीटर के बराबर माप की एक इकाई है। वैकल्पिक अनुवाद: “”लगभग 22 लीटर जौ।““ अपनी भाषा में अनाज के लिए सामान्य माप का उपयोग करें।

देखें: बाइबिल की मात्रा

रूत 2:18 (#1)

וַתִּשָּׂא וַתָּבוֹא הָעִיר

“”उठाकर नगर“

यह अस्पष्ट है कि रूथ अनाज लेकर घर चली गई।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 2:19 (#1)

אֵיפֹה לָקַטְתְּ הַיּוֹם וְאָנָה עָשִׂית

“”कहाँ बीनती“

नाओमी ने दो अलग-अलग तरीकों से एक ही बात पूछी कि उसे यह जानने में बहुत दिलचस्पी थी कि उस दिन रूत के साथ क्या हुआ।

आपकी भाषा जिस रीति से उत्साह और रुचि दिखाती है, उसका उपयोग करें।

देखें: समांतरता

रूत 2:19 (#2)

יְהִ֖י מַכִּירֵ֣ךְ בָּר֑וּךְ

“धन्य वह हो जिसने तेरी सुधि ली है”

नाओमी परमेश्वर से बोअज को आशीष देने की प्रार्थना कर रही है। आप इसे आशीष या प्रार्थना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। अपनी भाषा में जो भी अधिक स्वाभाविक लगे, उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “हे परमेश्वर, जिसने आज रूत की सुधि ली है, उसे आशीष दें”

देखें: आशीषें

रूत 2:19 (#3)

יְהִ֖י מַכִּירֵ֣ךְ בָּר֑וּךְ

“धन्य वह हो जिसने तेरी सुधि ली है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसने तेरी सुधि ली है, परमेश्वर उसे आशीष दें”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रूत 2:19 (#2)

מַכִּירֵ֣ךְ

“सुधि”

“यहाँ **सुधि** एक अनुनाम है जो न केवल रूत को देखेंने से सबंधित है, बल्कि उसके लिए कुछ करना भी है। वैकल्पिक अनुवाद: “”जिसने तेरी मदद की““

देखें: प्रतिन्यास

रूत 2:19 (#5)

וַתַּגֵּ֤ד לַחֲמוֹתָ֙הּ֙ אֵ֣ת אֲשֶׁר־עָשְׂתָה־עִּמּ֔וֹ וַתֹּ֖אמֶר שֵׁ֣ם הָאִ֑ישׁ אֲשֶׁר־עָשִׂ֥יתִי עִמּ֖וֹ הַיּ֥וֹם בֹּ֖עַז

“तब उसने अपनी सास को बता दिया, कि मैंने किसके पास काम किया, और कहा, “जिस पुरुष के पास मैंने आज काम किया उसका नाम बोअज है”

इन दोनों वाक्यों का मूलतः एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्य पहले वाक्य के अर्थ को दोहराता है, जबकि कहानी के लिए इस जानकारी के महत्व पर ज़ोर देने के लिए अलग-अलग शब्दों का प्रयोग किया गया है। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप वाक्यों को एक साथ जोड़ सकते हैं या उन्हें इस तरह से जोड़ सकते हैं जिससे लगे कि दूसरा वाक्य पहले वाक्य को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “तब उसने अपनी सास को बता दिया कि उस दिन उसने जिस पुरुष के पास काम किया था उसका नाम बोअज था” या “फिर उसने अपनी सास को बता दिया कि उसने किसके पास काम किया था। उसने कहा, “आज मैंने जिस पुरुष के पास काम किया उसका नाम बोअज है।”

देखें: समानांतरता

रूत 2:20 (#1)

בָּר֖וּךְ הוּא֙ לַיהוָ֔ה

“”अपनी“ - “यहोवा”

बोअज ने रूत और नाओमी के प्रति जो करुणा दिखाई उस के विषय में वह परमेश्वर से बोअज के लिए आशीष माँगती है।

रूत 2:20 (#2)

בָּר֖וּךְ הוּא֙ לַיהוָ֔ה

“वह यहोवा की ओर से आशीष पाए”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। यदि आप सक्रिय रूप का उपयोग करते हैं, तो आपको उसके बाद एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है, जैसा कि आई.आर.वि. में है।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रूत 2:20 (#2)

אֲשֶׁר־ לֹא־עָזַ֣ב

“वह” - “न” - “करुणा” - “अधिकार”

इसे सकारात्मक रूप से कहा जा सकता है: **जो निरंतर वफादार बना रहा**।

देखें: दोहरे नकारात्मक

रूत 2:20 (#3)

אֲשֶׁר־ לֹא־עָזַ֣ב

“वह” - “न” - “अधिकार”

शब्द **उसने** मुमकिन यहोवा की ओर संकेत कर रहा है, जिसने बोअज के द्वारा जीवित और मृत लोगों के लिए वफादार बना रहा। इसकी संभावना कम है कि ये बोअज का जिक्र कर रहा है।

रूत 2:20 (#4)

אֶת־הַחַיִּ֥ים

“जीवित” - “से”

“नाओमी और रूत **जीवत** थे। यह संज्ञात्मिक विशेषण **जीवित** को हटाने के लिए अलग-अलग कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”जो लोग अभी भी जीवित हैं““

देखें: नाम विशेषण

रूत 2:20 (#5)

וְאֶת־הַמֵּתִ֑ים

“ओर से” - “मरे”

“नाओमी के पति और पुत्र **मृत** थे। यह संज्ञात्मिक विशेषण **मृत** को हटाने के लिए अलग-अलग कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”जो लोग पहले ही मर चुके हैं““

देखें: नाम विशेषण

रूत 2:20 (#6)

קָר֥וֹב לָ֖נוּ הָאִ֑ישׁ מִגֹּאֲלֵ֥נוּ הֽוּא

“”वह पुरुष तो“

दूसरा वाक्यांश दोहराता है और पहले का विस्तार करता है। इन शब्दों पर जोर देने हेतु यह इब्रानी भाषा की शैली है।

देखें: समांतरता

रूत 2:20 (#7)

מִגֹּאֲלֵ֥נוּ

“छुड़ाने”

एक छुड़ानेवाला बन्धु, एक करीबी पुरुष रिश्तेदार था, जिसके पास परिवार में किसी भी विधवा की देखेंभाल करने की जिम्मेदारी थी। यदि उसके भाईयों में से किसी भाई की बिना संतान मृत्यु हो जाए, तो यदि वह संतान को जन्म देने की उम्र में थी, तो वह अपने भाई के लिए एक बच्चे की परवरिश करने, उस की विधवा से शादी करने की जिम्मेदारी इसकी थी। यह गरीबी के कारण अपने रिश्तेदारों की खोई हुई भूमि को भी फिर से वापिस लेकर उन परिवार के सदस्यों को छुड़ा लेगा, जिन्होंने खुद को गुलामी में बेच दिया था। अधिक जानकारी के लिए परिचय देखें।

रूत 2:21 (#1)

גַּ֗ם ׀ כִּי־אָמַ֤ר אֵלַ֙י֙

“”भी“

*** उसने मुझ से यह भी कहा ***1 यह इस बात इशारा करता है कि जो एक खेत के स्वामी द्वारा रूत को जो कहा गया वह उम्मीद से कहीं बढ़कर है।

रूत 2:21 (#2)

אָמַ֤ר אֵלַ֙י֙ עִם־הַנְּעָרִ֔ים אֲשֶׁר־לִ֖י תִּדְבָּקִ֑ון עַד֙ אִם־כִּלּ֣וּ אֵ֔ת כָּל־הַקָּצִ֖יר אֲשֶׁר־לִֽי

“उसने मुझसे यह भी कहा, ‘जब तक मेरे सेवक मेरी सारी कटनी पूरी न कर चुकें तब तक उन्हीं के संग-संग लगी रह“

यदि आपकी भाषा में प्रत्यक्ष उद्धरण के अंदर प्रत्यक्ष उद्धरण का उपयोग नहीं होता है, तो आप दूसरे प्रत्यक्ष उद्धरण का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने कहा कि मुझे उसके सेवकों के संग-संग रहना चाहिए जब तक कि वे उसकी सारी कटनी पूरी न कर चुकें”

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

रूत 2:21 (#2)

עִם־הַנְּעָרִ֔ים אֲשֶׁר־לִ֖י תִּדְבָּקִ֑ון

“उसने यह” - “सेवक” - “उन्हीं के संग”

बोअज यकीन दिला रहा था कि उसके सेवक रूत को कुछ हानि नहीं पहुँचाएगे।

रूत 2:22 (#1)

“”अपनी“ - “जाया”

तू साथ जाया कर

रूत 2:22 (#2)

וְלֹ֥א יִפְגְּעוּ־בָֽךְ

“वे तुझको” - “न”

संभावित अर्थ 1) अन्य मजदूर रूत से दुर्व्यवहार कर सकते हैं या उसके साथ बलात्कार की कोशिश कर सकते हैं या 2) दूसरे खेत में, मालिक हस्तक्षेप कर सकते हैं या उसे कटाई करते समय बीनने से रोक सकते हैं।

रूत 2:23 (#1)

וַתִּדְבַּ֖ק

“साथ-लगी रही”

रूत दिन के समय बोअज के खेतों में उसके सेवकों के साथ काम करती थी ताकि वह सुरक्षित रहे।

रूत 2:23 (#2)

עַד־כִּלּ֣וֹת קְצִיר־הַשְּׂעֹרִ֔ים וּקְצִ֖יר הַחִטִּ֑ים

“जौ और गेहूँ दोनों की कटनी के अन्त तक”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “जब तक बोअज के सेवकों ने सारे जौ और गेहूँ की कटनी पूरी न कर ली”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रूत 3:1 (#1)

וַתֹּ֣אמֶר לָ֔הּ נָעֳמִ֖י חֲמוֹתָֽהּ

“नाओमी उससे कहा”

यह वाक्य कहानी के अगले हिस्से का परिचय देता है, जिसमें रूत बोअज को उसके और नाओमी के लिए एक छुड़ानेवाले बन्धु की भूमिका निभाने के लिए कहती है।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

रूत 3:1 (#2)

“सास”

नाओमी, रूत के मरे हुए पति की माँ है।

रूत 3:1 (#3)

נָעֳמִי חֲמוֹתָהּ

“उसकी सास नाओमी”

नाओमी रूत की **सास** है। यदि आपकी भाषा में नाम और सम्बन्ध शब्द दोनों को शामिल करना स्वाभाविक नहीं है, तो वह शब्द चुनें जो नाओमी को सबसे स्वाभाविक रूप से संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “रूत की सास”

देखें: कुटुम्बी

रूत 3:1 (#4)

חֲמוֹתָהּ

“उसकी सास”

इस पद में, **उसकी** रूत को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “रूत की सास”

देखें: सर्वनाम

रूत 3:1 (#3)

בִּתִּי

“बेटी”

रूत नाओमी के बेटे से विवाह करके उसके परिवार का हिस्सा बन गई और बैतलहम में लौटने के बाद नाओमी की देखेंभाल की इसी चालचलन से वह एक बेटी के सामान बन गई।

रूत 3:1 (#4)

הֲלֹא אֲבַקֵּשׁ־לָךְ מָנוֹחַ אֲשֶׁר יִיטַב־לָךְ

“मेरी” - “क्या तेरे आश्रय न ढूँढू भला हो”

“नाओमी इस सवाल का इस्तेमाल रूत को यह बताने के लिए करती है कि उसने क्या योजना बनाई है। वैकल्पिक अनुवाद: “”मुझे तेरे आराम के लिए एक जगह की तलाश करनी चाहिए, ताकि तेरा ध्यान रखा जाए।““ या “”मुझे तेरे लिए एक पति की तलाश करनी चाहिए, ताकि तुम बिना किसी चिंता के रह सके।““

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रूत 3:1 (#5)

מָנוֹחַ

“मेरी” - “आश्रय”

इसका अर्थ अस्थायी रूप से थकावट से आराम करने का स्थान नहीं है। इसका अर्थ है एक पति के साथ अच्छा घर, जिसमें स्थायी आराम और सुरक्षा हो।

देखें: रूपक

रूत 3:2 (#1)

וְעַתָּה

“वह तो आज”

Connecting Statement:\n\nपद 1 में नाओमी के बयानबाजी प्रश्न ने उस परामर्श का कारन बताया जो वह रूत को पद 2–4 में देने वाली है। यह शब्द पद 1 परिणाम के रूप में है। दूसरे शब्दों में, नाओमी रूत को सलाह देती है कि उसे क्या करना है (3:2–4) क्योंकि वह रूत के लिए एक अच्छा, सुरक्षित घर ढूंढना चाहती है (3:1) यदि परिणाम से पहले कारण बताने के लिए आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट है, तो आप पद 2–4 के बाद पद 1 जोड़ सकते हैं, पद 2–4 को मिलाकर चिह्नित कर सकते हैं।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

रूत 3:2 (#2)

הֲלֹא בֹעַז מֹדַעְתָּנוּ אֲשֶׁר הָיִית אֶת־נַעֲרוֹתָיו

“बोअज” - “कुटुम्बी नहीं”

“नाओमी ने इस सवाल का इस्तेमाल रूत को याद दिलाने के लिए किया, जो उसने पहले ही उसे बता दिया था (देखें 2:20), जो वह कहने वाली है उसका कारण। वैकल्पिक अनुवाद: “”जैसा कि तू जानती है कि बोअज हमारा कुटुम्बी हैं।““

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रूत 3:2 (#3)

אֲשֶׁר הָיִית אֶת־נַעֲרוֹתָיו

“”दासियों“

“यदि यह समझने में आता है तो अनुवाद स्पष्ट कर सकता है कि वह इन दासियों के साथ खेतों में काम कर रही थी। वैकल्पिक अनुवाद: “”खेतों में तेरे साथ काम करने वाली महिलायें““

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 3:2 (#4)

הִנֵּה

“वह”

शब्द **देख** इंगित करता है कि निम्नलिखित कथन बहुत महत्वपूर्ण है।

देखें:

रूत 3:3 (#1)

“तेल लगा”

यह शायद एक तरह से इत्र की किस्म के सुगंधी वाले तेल को अपने बदन पर मलने का संदर्भ है।

रूत 3:3 (#2)

וְיָרַדְתְּ הַגֹּרֶן

“खलिहान”

यह शहर को छोड़ और खुले, मैदान में जाने के लिए संदर्भित करता है जहां मज़दूर अनाज को गाहते और फटकते हैं।

रूत 3:3 (#3)

לֶאֱכֹל וְלִשְׁתּוֹת

“खा पी”

अगर आपकी भाषा में भोजन के इन विवरणों को व्यक्त करना अस्वाभाविक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपना रात्रि भोज”

रूत 3:4 (#1)

וִיהִי

“लेना”

*** फिर ऐसे करना: *** यह एक सामान्य अनुदेश है कि प्रस्तुत की जाने वाली विशिष्ट निर्देशों की अगली श्रृंखला जो नाओमी, रूत को देने वाली थी। इस तरह से अनुवाद करें कि लोग आपकी भाषा में ऐसा ही कहें।

देखें: अनिवार्य – अन्य उपयोग

रूत 3:4 (#3)

וְגִלִּית מַרְגְּלֹתָיו

“पाँव उघाड़”

इसका अर्थ कि उसके पाँव (या टांगों) को ढंकने वाली चादर या कंबल को हटा दें। शायद एक महिला द्वारा इस काम की शादी के प्रस्ताव के रूप में व्याख्या की जा सकती है।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

रूत 3:4 (#4)

מַרְגְּלֹתָיו

“पाँव”

यहाँ इस्तेमाल शब्द उसके पैरों या उसकी टांगों को संदर्भित कर सकता है।

रूत 3:4 (#6)

וְהוּא יַגִּיד לָךְ אֵת אֲשֶׁר תַּעֲשִׂין

“तू” - “भीतर उसके” - “तुझे क्या करना”

उस समय का विशिष्ट रिवाज़ अस्पष्ट है, लेकिन नाओमी का ऐसा मानना है कि बोअज रूत की कार्रवाई को शादी के प्रस्ताव के रूप में समझेगा। तब बोअज उसके प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार कर देगा।

रूत 3:4 (#7)

וְהוּא יַגִּיד

“भीतर उसके”

जब वह उठेगा, तब बताएगा

रूत 3:6 (#1)

וַתַּעַשׂ כְּכֹל אֲשֶׁר־צִוַּתָּה חֲמוֹתָהּ

“”वह“ - “अपनी सास”

यह कथन क्रियाओं को संक्षेप में बताता है कि जो रूत पद 7 में करेगी। यदि लोग इस बात को समझते हैं कि रूत ने इन क्रियाओं को पद 6 में किया है और फिर उन्हें पद 7 में फिर से किया है, तो आप इस वाक्य को इस रीति से अनुवाद कर सकते हैं **और उसने अपनी सास की बात मानी**। या यदि यह घटनाओं के क्रम को अधिक स्पष्ट कर दे, तो आप इस वाक्य को पद 7 के आखिर में ले जा सकते हैं, फिर पद संख्याओं को (6–7) में संयोजित करें।

देखें: घटनाओं का क्रम

रूत 3:7 (#1)

וַיִּיטַב לִבּוֹ

“”चुका“

“यहाँ **मन** “”भावनाओं““ या “”स्वभाव““ के लिए प्रतीक है। बोअज की भावना या मनोभाव अच्छी थीं। इसका मतलब यह नहीं है कि बोअज नशे में था। वैकल्पिक अनुवाद: “”और उसे यह अच्छा लगा““ या “”और वह अच्छी मनोदशा में था““

देखें: प्रतिन्यास

रूत 3:7 (#2)

“गई”

फिर वह चुपचाप भीतर गई या **फिर वह चुपचाप अंदर गई ताकि किसी को मालूम ना हो**

रूत 3:7 (#3)

“पाँव उघाड़”

और उसकी टांगों से चादर को हटा दिया

रूत 3:8 (#1)

וַיְהִי בַּחֲצִי הַלַּיְלָה

“”आधी रात“

यह खंड कहानी में एक नई घटना का परिचय देता है, जिसमें बताया गया है कि जब बोआज जाग गया।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

रूत 3:8 (#2)

וַיֶּחֱרַד הָאִישׁ

“चौंक”

यह स्पष्ट नहीं है कि किस बात ने बोअज को चौंका दिया। शायद उसने अचानक अपने पैरों या टांगों पर ठंडी हवा महसूस की।

रूत 3:8 (#3)

“वह”

इस शब्द से पता चलता है कि जो आगे हुआ बोअज के लिए बहुत आश्चर्यजनक था। आश्चर्य व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा के तरीके का उपयोग करें।

देखें: विस्मयादिबोधक

रूत 3:9 (#1)

אֲמָתֶ֑ךָ & אֲמָתֶ֑ךָ

“दासी”

रूत बोअज के सेवकों में से एक नहीं थी, लेकिन उसने स्वंम को बोअज के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए एक विनम्र तरीके से दासी के रूप में संदर्भित किया। विनम्रता और सम्मान व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा के तरीके का उपयोग करें।

रूत 3:9 (#2)

וּפָרַשְׂתָּ כְנָפֶךָ֙ עַל־אֲמָתֶ֔ךָ

“”तब“

“यह शादी के लिए एक सांस्कृतिक मुहावरा था। वैकल्पिक अनुवाद: “”कृपया मुझसे शादी करें““

देखें: मुहावरा

रूत 3:9 (#3)

“छुड़ानेवाला”

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद [2:20] (../ 02/20 / zu5f) में कैसे किया।

रूत 3:10 (#1)

בְּרוּכָ֥ה אַתְּ לַיהוָ֖ה

“यहोवा की ओर से तुझ पर आशीष हो”

अपनी भाषा में आशीष के लिए एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा की ओर से तुझ पर आशीष हो”

देखें: आशीषें

रूत 3:10 (#2)

בִּתִּי

“हे बेटी”

देखें कि आपने **हे बेटी** का अनुवाद 2:8 में कैसे किया था। बोअज इस वाक्यांश का फिर से उपयोग करता है ताकि एक पुरुष द्वारा एक जवान स्त्री के प्रति दयालुता और आदर को व्यक्त किया जा सके। अपनी भाषा में एक उपयुक्त वाक्यांश का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “हे छोटी”

देखें: मुहावरा

रूत 3:10 (#1)

הֵיטַבְתְּ חַסְדֵּךְ הָאַחֲרוֹן מִן־הָרִאשׁוֹן

“”पिछली प्रीति पहली“

तू ने अपनी पिछली प्रीति पहिली से अधिक दिखाई

रूत 3:10 (#3)

הָרִאשׁוֹן

“पहली”

यह इस बात को संदर्भित करता है कि कैसे रूत ने पहले अपनी सास का साथ दिया और बीनने से भोजन मुहैया किया।

रूत 3:10 (#4)

לְבַלְתִּי־לֶכֶת אַחֲרֵי

“के पीछे नहीं लगी”

क्योंकि तूने उनमें विवाह के लिए तलाश नहीं की। रूत नाओमी की ज़रूरत को नज़रअंदाज़ कर सकती थी और नाओमी की रिश्तेदारी से बाहर अपने लिए एक युवा और सुंदर पति की तलाश कर सकती थी लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

देखें: मुहावरा

रूत 3:11 (#1)

וְעַתָּה

“इसलिए अब”

Connecting Statement:\n\nयह वाक्यांश इंगित करता है कि पद 10 में जो पहले आया कारण है उस बात का जो पद 11 में हुआ। इस को शब्द **इसलिए** से संकेत किया जा सकता है। यदि परिणाम के बाद इसका कारण बताने के लिए आपकी भाषा में यह स्पष्ट है, तो आदेश होगा: बोअज एक छुड़ानेवाले बंधुए की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित्त है (पद 11) **क्योंकि** उसने देखा है कि रूत में नाओमी के प्रति कितनी दयालुता है (पद 10)। यदि आप इस क्रम को चुनते हैं, तो आपको छंद और पद संख्याओं को मिलाना होगा

देखें: जोड़ें – कारण और परिणाम संबंध

रूत 3:11 (#2)

בִּתִּי

“बेटी”

बोअज ने रूत के प्रति एक उम्र में कम महिला के रूप में सम्मान के रूप में इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया। उसी सम्बोधन रूप का उपयोग करें जो आपकी भाषा में उपयुक्त होगा।

रूत 3:11 (#3)

כָּל־שַׁ⬚⬚⬚עַר עַמִּ⬚⬚⬚י

“सब लोग”

“फाटक शहर का वह स्थान था, जहां लोग व्यापार करने, और अगुवे फैसला करने के लिए इकठ्ठा होते थे। तो यह एक मुहावरे का अर्थ था “”मेरे शहर के सभी महत्वपूर्ण लोग““

देखें: मुहावरा

रूत 3:11 (#4)

“”मेरे“

नेकनामी महिला, एक भली स्त्री

रूत 3:12 (#1)

וְעַתָּה⬚

“तो है कि”

“# Connecting Statement:\n\n””यह वाक्यांश इंगित करता है कि जो इस से आगे है और अधिक महत्वपूर्ण है जिस पर रूत को ध्यान देना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “”””आप को यह भी जानना होगा कि”””“ रूत से शादी करने के लिए बोअज की इच्छा और उसके बजाय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उससे शादी करने की संभावना के बीच विरोध।

रूत 3:12 (#2)

וְגַ⬚⬚⬚ם

“हूँ” - “भी”

“यह वाक्यांश बोअज की रूत से शादी करने की इच्छा (पद 11) और दूसरे व्यक्ति द्वारा उससे शादी करने की संभावना के बीच विरोध को इंगित करता है (पद 12)। वैकल्पिक अनुवाद: “”तोभी एक और है““

देखें: जोड़ें – विरोध संबंध

रूत 3:12 (#3)

גֹּאֵ⬚⬚⬚ל & גֹּאֵ⬚⬚⬚ל

“”मुझसे“

यह उस पुरुष रिश्तेदार का कर्तव्य था जो मरने वाले व्यक्ति की विधवा की मदद करने लिए उसी पारिवार में करीबी था। देखें कि आपने ** एक छुड़ानेवाले बंधुआ ** का [2:20] में अनुवाद कैसे किया .. (.. 02/20 / zu5f) और सुनिश्चित करें कि यहाँ वैसा ही समझ में आता हो।

रूत 3:13 (#1)

אִם־יִגְאָלֵ⬚⬚⬚ךָ

“तो” - “छुड़ानेवाले”

“**छुड़ाने** का यहाँ अर्थ “”विधवाओं से संबंधित हमारे रिवाज के अनुसार शादी करना है।” बोअज इस उम्मीद का हवाला दे रहा है कि रूत के मृत पति का करीबी पुरुष रिश्तेदार उससे शादी करेगा और मृत व्यक्ति के परिवार के वंश को आगे चलाने हेतु एक पुत्र को उत्पन्न करेगा।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 3:13 (#2)

וּגְאַלְתִּ⬚⬚⬚יךָ אָנ⬚⬚⬚כִי

“मैं ही वह काम करूँगा”

बोअज ने **मैं ही** शब्द का उपयोग यह दर्शाने के लिए किया कि वह रूत की देखभाल करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध था। इस प्रतिबद्धता को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाए। वैकल्पिक अनुवाद: “तब मैं निश्चित रूप से वह काम करूँगा”

रूत 3:13 (#2)

“”यहोवा“

यहोवा के जीवन की शपथ या **यहोवा के जीवन द्वारा**। यह एक आम इब्रानी शपथ थी जो वक्ता को अपने कहे अनुसार करने के लिए बाध्य करती थी। अपनी भाषा में एक शपथ के लिए सामान्य वाक्यांशों का उपयोग करें।

रूत 3:14 (#1)

וַתִּשְׁכַּ⬚⬚⬚ב מַרְגְּלֹתָיו⬚

“लेटी रही”

रूत बोअज के कदमों की ओर लेट गई। उन्होंने शरीरिक सबंध नहीं बनाया।

रूत 3:14 (#2)

בְּטֶ⬚⬚⬚רֶם יַכִּ⬚⬚⬚יר אִ⬚⬚⬚יש אֶת־רֵעֵ⬚⬚⬚הוּ

“”उसके“ - “कोई दूसरे”

“यह एक मुहावरा है जो अंधेरे की स्थिति को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”जबकि अभी भी अंधेरा था““

देखें: मुहावरा

रूत 3:14 (#3)

וַיֹּ⬚⬚⬚אמֶר⬚

“और बोअज ने कहा”

यह बोअज ने शायद उस समय कहा जब रूत सोने के लिए लेटी थी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे पद के शुरुआत में ले जा सकते हैं, जैसे कि आई.आर.वि. में है, या यह संकेत दे सकते हैं कि यह रूत के लेटने से पहले हुआ था। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि बोअज ने कहा था”

देखें: सूचना संरचना

रूत 3:14 (#4)

אַל־יִוָּדַ□□□ע

“कोई जानने न पाए”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी को पता न चले”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रूत 3:15 (#1)

הַמִּטְפַּ□□□חַת

“चद्दर”

शरीर को गर्म रखने के लिए कंधों के ऊपर पहना जाने वाला एक भारी शाल

रूत 3:15 (#2)

שֵׁשׁ־שְׂעֹרִים□

“छः” - “जौ”

वास्तविक मात्रा नहीं बताई गई। यह दरियादिली के लिए पर्याप्त थी, फिर भी रूत के लिए अकेले ले जाने के लिए काफ़ी थी। अधिकांश विद्वानों का मानना है कि यह लगभग 25 से 30 किलोग्राम था।

रूत 3:15 (#3)

וַיָּ□□□שֶׂת עָלָ□יהָ

“तब उसने”

अनाज की मात्रा इतनी भारी थी, इसलिए बोअज ने उसे रूत की पीठ पर रखा ताकि वह उसे ले जा सके।

रूत 3:15 (#4)

וַיָּב□□□א הָעִיר

“”नगर“

“अधिकांश प्राचीन दस्तावेजों में **वह गया**, बोअज का जिक्र करते हुए, लेकिन कुछ ने **वह गई**, रूत का जिक्र करते हुए। कुछ अंग्रेजी संस्करणों में “”वो““ है और कुछ के पास “”वह स्त्री““ है। अधिकांश विद्वानों का मानना है कि मूल अर्थ **वह गया** है।”

रूत 3:16 (#1)

מִי־אַ□□□תְּ

“बेटी” - “जो”

यह एक मुहावरा प्रतीत होता है जिसका अर्थ है कि **मेरी बेटी, तू कैसी है**? दूसरे शब्दों में, नाओमी शायद पूछ रही है कि क्या रूत अब एक विवाहित महिला है। वैकल्पिक रूप से, इस सवाल का सीधा मतलब यह हो सकता है कि क्या तूम मेरी बेटी ही हो?**

देखें: मुहावरा

रूत 3:16 (#2)

בִּתִּ□□□י

“बेटी”

“रूत असल में नाओमी की पुत्रवधू है, लेकिन नाओमी उसे **मेरी बेटी** करके सम्बोधन करती है। यदि आपकी संस्कृति में यह स्वीकार्य है तो इस अनुवाद को रखें। अन्यथा, “”बहू का उपयोग करें।““”

रूत 3:16 (#3)

אֵ□□□ת כָּל־אֲשֶׁ□□□ר עָשָׂה־לָ□□□הּ הָאִישׁ

“”क्या“ - “पुरुष उससे किया सब”

वह सब जो बोअज ने उसके लिए किया

रूत 3:17 (#1)

“छः जौ”

देखें कि आपने इसका अनुवाद [3:15] (../ 03/15 / f5zg) में कैसे किया।

रूत 3:17 (#2)

כִּ□□□י אָמַ□□□ר אַל־תָּב□□□וֹאִי רֵיקָ□□□ם אֶל־חֲמוֹתֵךְ

“फिर उसने कहा... कि अपनी सास के पास खाली हाथ मत जा”

मूल भाषा में इस पद में उद्धरण के उद्धरण लिखा है जबकि हिंदी आई.आर.वि. अनुवाद में एक ही उद्धरण लिखा है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के अन्दर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: “यह कहकर मुझे दिया कि मैं अपनी सास के पास खाली हाथ न जाऊँ”

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

रूत 3:17 (#2)

“खाली मत जा”

खाली हाथ जाना एक मुहावरा है जिसका अर्थ है उस व्यक्ति को देने के लिए कुछ भी पास ना होना। वैकल्पिक अनुवाद: **खाली हाथ मत जाओ** या **छूछे हाथ मत जाओ** या **आपको कुछ साथ लेना होगा**

देखें: मुहावरा

रूत 3:18 (#1)

שְׁבִ□□□י

“”बेटी“

“*** बैठी रह *** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि रूत को धीरज रखना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “”यहाँ रुको““ या “”धैर्य रखें““

देखें: मुहावरा

रूत 3:18 (#2)

“बेटी”

देखें कि आपने 1:11–13 में इसका अनुवाद कैसे किया; 2:2, 8, 22; 3:1, 10, 11, 16।

रूत 3:18 (#3)

אֵ֣יךְ יִפּ֔וֹל דָּבָ֖ר

“”का कैसा“ - “निकलेगा”

“यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “”स्थिति कैसे होगी““ या “”क्या होगा।““

देखें: मुहावरा

रूत 3:18 (#4)

לֹ֣א יִשְׁקֹ֗ט הָאִ֤ישׁ כִּֽי־אִם

“”न“ - “चुपचाप” - “उस पुरुष”

इसे सकारात्मक रूप से कहा जा सकता है: **आदमी निश्चित रूप से इस मामले का निपटारा करेगा** या **आदमी निश्चित रूप से इस मुद्दे को हल करेगा**।

देखें: दोहरे नकारात्मक

रूत 3:18 (#5)

“यह काम” - “चैन न पड़ेगा”

यह मामला फ़ैसले के विषय में है कि कौन नाओमी की संपत्ति खरीदेगा और कौन रूत से शादी करेगा।

रूत 4:1 (#1)

וּבֹ֤עַז עָלָה֙ הַשַּׁ֔עַר

“”बोअज फाटक“

यह खंड कहानी के अगले भाग का परिचय देता है, जिसमें बोअज एक छुड़ानेवाले बंधुए के रूप में प्रमुख भूमिका निभाता है और रूत से शादी करता है। किसी कहानी के नए भाग को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा के तरीके का उपयोग करें

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

रूत 4:1 (#2)

הַשַּׁ֔עַר

“फाटक”

शहर के फाटक पर या **बैतलहम के फाटक पर**। यह बैतलहम शहर की चारदीवारी का मुख्य प्रवेश मार्ग था। फाटक के अंदर एक खुला स्थान था जिसे सामुदायिक मामलों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक स्थल के रूप में उपयोग किया जाता था।

रूत 4:1 (#3)

“वह”

शब्द **हे** महत्वपूर्ण घटना के बारे में हमें सूचित करता है, बोअज जिस व्यक्ति को वह देखना चाहता था वह उसी के समक्ष था। कहानी में आगे क्या होता है, इस पर ध्यान देने के लिए आपकी भाषा में किसी को सावधान करने का एक विशिष्ट तरीका हो सकता है।

देखें:

रूत 4:1 (#4)

הַגֹּאֵ֑ל

“छुड़ानेवाले”

यह एलीमेलेक के कुटुंमब से सबसे करीबी जीवित पुरुष था। देखें कि आपने ** छुड़ानेवाला बंधुआ ** का [2:20] (../ 02/20 / zu5f) में अनुवाद कैसे किया।

रूत 4:1 (#6)

וַיֹּ֣אמֶר סוּרָ֣ה שְׁבָ֔ה־פֹּ֥ה פְּלֹנִ֖י אַלְמֹנִ֑י

“”

“कई भाषाओं में, यह किसी व्यक्ति को संबोधित करने के लिए एक अजीब और अप्राकृतिक तरीका है। इसे और अधिक प्राकृतिक बनाने का तरीका हो सकता है कि इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में यू एस टी में बदल दिया जाए। अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष उद्धरण का एक संयोजन भी संभव है: “”बोअज ने उसे नाम से पुकारा, और कहा, ‘इधर आकर बैठ जा।““

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

रूत 4:1 (#5)

פְּלֹנִ֖י אַלְמֹנִ֑י

“”

बोअज ने वास्तव में ये शब्द नहीं कहे थे; इसके बजाय, उसने छुड़ानेवाले बन्धु को नाम से बुलाया। यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ यह एक विशिष्ट व्यक्ति है लेकिन नाम नहीं दिया गया है। कथाकार ने व्यक्ति के नाम के लिए इस सामान्य शब्द को प्रतिस्थापित किया है क्योंकि कहानी के लिए विशिष्ट नाम महत्वपूर्ण नहीं है या व्यक्ति का नाम भूला दिया गया था। यदि आपकी भाषा में किसी विशिष्ट व्यक्ति को उसके नाम का उपयोग किए बिना संदर्भित करने के लिए एक मुहावरा है, तो यहां उपयोग करें।

देखें: मुहावरा

रूत 4:2 (#1)

“दस” - “लोगों”

तब उसने दस पुरुषों को चुना

रूत 4:3 (#1)

לְאָחִינוּ

“”तब“

जो ज़मीन एलिमेलेक की थी, उसे वापस खरीदना और एलिमेलेक के परिवार की देखेंभाल करना, करीबी बंधुए की ज़िम्मेदारी थी।

रूत 4:4 (#1)

אָמַ□□□רְתִּי

“मैंने सोचा कि”

यहाँ, **सोचा** का मतलब कुछ ऐसा है जो बोअज ने अपने मन में स्वयं से कहा था। वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने स्वयं से कहा कि” या “मुझे ऐसा लगा कि”

देखें: मुहावरा

रूत 4:4 (#1)

□□□□□ה אָזְנְךָ□□□□אֶגְלֶ

“”जताकर“

“यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “”मुझे तुम्हें बताना चाहिए““ या “”मुझे बताने दे““

देखें: मुहावरा

रूत 4:4 (#2)

□□□□נֶגֶד הַיֹּשְׁבִי□□□□

“सामने”

की उपस्थिति मेl इन लोगों की गवाही के होने से लेन-देन कानूनी और बाध्यकारी हो जाएगा।

रूत 4:4 (#3)

“छुड़ा”

छुड़ाने का मतलब भूमि को खरीदना और परिवार को देना है।

रूत 4:4 (#4)

□□□□אִם־תִּגְאַל□□□□ וְאִם־לֹא יִגְאַל□□□□ לְהַגִּיד לִי וְאֵדְעָה□□□□

“”के“ - “छुड़ाने”

कुछ भाषाओं में, इन चीजों को एक साथ कहना भ्रमित हो सकता है: 1) भूमि को छुड़ाने के लिए कोई नहीं है, 2) केवल आप भूमि को छुड़ा सकते हैं, 3) तब मैं भूमि को छुड़ा सकता हूँ। यदि आपकी भाषा में ऐसा है, तो यू एस टी को देखें जो अधिक स्पष्ट है।

देखें: जोड़ें – अपवाद खंड

रूत 4:4 (#6)

אָנֹכִי□□□□ אֶגְאָל

“मैं उसे छुड़ाऊँगा”

मूल भाषा में यहाँ इस वाक्य में शब्द **स्वयं** का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. में इस शब्द का उपयोग नहीं हुआ है। यहाँ वह पुरुष **स्वयं** शब्द का उपयोग करता है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वह ही इसे करेगा और अन्य कोई नहीं। इस महत्व को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाए। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं ही उसे छुड़ाऊँगा”

रूत 4:5 (#1)

בְּיוֹם

(उस दिन) “जब तू उस भूमि को”

मूल भाषा में यहाँ “उस दिन” का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. में इसका उपयोग नहीं हुआ है। यहाँ, **उस दिन** एक मुहावरा है जिसका अर्थ “उस समय” है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस घड़ी” या “उसी समय”

देखें: मुहावरा

रूत 4:5 (#2)

מִיַּ□□□□□□ד נָעֳמִ□□□□

“”नाओमी“

“यहाँ शब्द ** हाथ ** नाओमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो भूमि की मालिक है। वैकल्पिक अनुवाद: “”नाओमी से““

देखें: संकेतन

रूत 4:5 (#3)

□□□□מֵאֵת רוּת & □□□□קָנִיתָה

“उसे रूत”

तुम्हें रूत से शादी भी करनी होगी (देखें :[[rc://hi/ta/man/translate/figs-मुहावरा]])

देखें: मुहावरा

रूत 4:5 (#4)

“मरे स्त्री”

एलीमेलेक के बेटे की विधवा जो मर गया

रूत 4:5 (#5)

לְהָקִי□□□□ שֵׁם־הַמֵּ□□□□□□ת עַל־נַחֲלָתוֹ

“”हाथ“

कि ताकि उसे विरासत में मीरास मिले और अपने मृत पति के पारिवारिक नाम को जारी रखने के लिए उससे पुत्र जन्म ले

रूत 4:5 (#6)

הַמֵּת□□□□□□ & □□הַמֵּת

“मरे”

“रूत का पति *** मृतक *** था। यह संज्ञात्मक विशेषण ** मृत ** से बचाव के लिए भिन्नता से कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”वह व्यक्ति जो मर गया““ या “”उसका पति जो मर गया““

देखें: नाम विशेषण

रूत 4:6 (#1)

אַשְׁחִ֖ית אֶת־נַחֲלָתִֽי׃

“उसको” - “भाग बिगड़ जाए”

“संपत्ति के बदले में आदमी को कुछ धन देने की आवश्यकता होगी। फिर अगर वह रूत से शादी करता, तो वह संपत्ति उसके बेटे की होगी, न कि उसके अपने बच्चों की। इस तरह, वह धन जो उसके अपने बच्चों को विरासत में प्राप्त होना है उससे वे दूर हो जाएगे और उसके बदले रूत द्वारा जन्मे बच्चों को दिया जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: “”अपने बच्चों की विरासत से लेना।““”

रूत 4:6 (#2)

גְּאַל־לְךָ֖ אַתָּה֑ אֶת־גְּאֻלָּתִֽי׃

““मैं“ - “अधिकार तू”

सिवाए मेरे तू इसे छुड़ा ले

रूत 4:7 (#1)

וְזֹאת֙

“यह”

अब यह रिवाज था। पुस्तक के लेखक ने रूत के समय के आदान-प्रदान के रिवाज के बारे में बताने वाली कुछ पृष्ठभूमि की जानकारी देने के लिए कहानी बताना बंद किया। किसी कहानी में पृष्ठभूमि की जानकारी देने के लिए अपनी भाषा के तरीके का उपयोग करें।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

रूत 4:7 (#2)

וְזֹאת֙

(यह) “पुराने समय में”

मूल भाषा में यहाँ वाक्य का आरम्भ “यह” से हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. में इसका उपयोग नहीं किया गया है। यहाँ कुछ शब्द छोड़े गए हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह प्रथा थी”

देखें: पदलोप

रूत 4:7 (#2)

לְפָנִ֔ים

““

पहले समय में या **बहुत पहले।** इसका तात्पर्य यह है कि जब रूत की पुस्तक लिखी गई थी तब इस रिवाज को काम में नहीं लाया गया था।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

रूत 4:7 (#3)

לְרֵעֵ֖הוּ

““**दूसरे**“

दूसरे व्यक्ति को। यह उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसके साथ वह समझौता कर रहा था। इस स्थिति में निकट परिजन ने बोअज को अपनी जूती दी।

रूत 4:8 (#1)

וַיֹּ֣אמֶר הַגֹּאֵ֗ל לְבֹ֤עַז קְנֵה־לָךְ֙ וַיִּשְׁלֹ֣ף נַעֲלוֹ

“इसलिए उस छुड़ानेवाले कुटुम्बी ने बोअज से यह कहकर; “कि तू उसे मोल ले,” अपनी जूती उतारी”

पद 7 की पृष्ठभूमि की जानकारी के बाद कहानी की घटनाएँ यहाँ फिर से शुरू होती हैं। अपनी भाषा की शैली में कहानी की घटनाओं को पुनः वर्णित करने के तरीके का उपयोग करें।

देखें: एक नई घटना का परिचय

रूत 4:8 (#1)

וַיֹּ֣אמֶר הַגֹּאֵ֗ל לְבֹ֤עַז קְנֵה־לָךְ֙ וַיִּשְׁלֹ֣ף נַעֲלוֹ

“छुड़ानेवाले” - “कहकर”

पद की पृष्ठभूमि की जानकारी के बाद कहानी की घटनाएं यहाँ फिर से शुरू होती हैं। कहानी की घटनाओं को फिर से बताने के लिए अपनी भाषा के तरीके का उपयोग करें।

रूत 4:8 (#3)

וַיִּשְׁלֹ֣ף נַעֲלוֹ

“इसलिए उस छुड़ानेवाले कुटुम्बी ने... अपनी जूती उतारी”

लेखक यह मानता है कि उनके पाठक समझेंगे कि छुड़ानेवाले कुटुम्बी ने जूती बोअज को दी थी। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक होगी, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। आई.आर.वि. देखें।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रूत 4:9 (#1)

לַזְּקֵנִ֔ים וְכָל־הָעָ֖ם

““**वृद्ध**“

यह उन सभी लोगों को संदर्भित करता है जो सभा की बैठक में मौजूद थे, न कि शहर के सभी लोगों के लिए।

देखें: अतिशयोक्ति

रूत 4:9 (#2)

מִיַּ֣ד נָעֳמִ֔י

““**नाओमी**“

“नाओमी का हाथ नाओमी को दर्शाता है। चूंकि उसके पति और पुत्रों की मृत्यु हो गई थी, इसलिए संपत्ति का अधिकार उसके पास था। वैकल्पिक अनुवाद: “”नाओमी से““

देखें: संकेतन

रूत 4:9 (#3)

“”सब“ - “जो” - “एलीमेलेक”

यह नाओमी के मृतक पति और बेटों की सभी भूमि और संपत्ति को संदर्भित करता है।

रूत 4:10 (#1)

וְגַ֖ם

“भी”

Connecting Statement:\n\nयह संयोजक वाक्यांश इंगित करता है कि फाटक पर बैठे लोग इस तथ्य के गवाह हैं कि बोअज नेओमी (4: 9) के लिए एलीमेलेक के परिवार की जमीन वापस खरीद रहा है और इस तथ्य पर भी कि बोअज रूत पर उसकी पत्नी होने का दावा कर रहा है (4:10)।

देखें: संयोजन शब्द और वाक्यांश

रूत 4:10 (#2)

לְהָקִ֨ים שֵׁם־הַמֵּת֜ עַל־נַחֲלָתֹ֗ו

“”मनसा“

“देखें कि आपने इस वाक्यांश का 4:5 में अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “”ताकि मैं उसे एक बेटा दे सकूं जो मृत व्यक्ति की संपत्ति को प्राप्त करेगा““

रूत 4:10 (#3)

הַמֵּת֙ & הַמֵּת֜

“मरे हुए” - “मरे हुए”

बोअज विशेषण **मरे हुए** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहा है जिसका अर्थ है वह जो मर गया। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। देखें कि आपने इसे 4:5 में कैसे अनुवादित किया था। वैकल्पिक अनुवाद: “वह पुरुष जो मर गया ... मरे हुए व्यक्ति”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रूत 4:10 (#3)

וְלֹא־יִכָּרֵ֤ת שֵׁם־הַמֵּת֙ מֵעִ֣ם אֶחָ֔יו וּמִשַּׁ֥עַר מְקוֹמֹ֖ו

“”के लिये“ - “नाम” - “न”

“भूल जाने की बात इस तरह की जाती है जैसे कि किसी का नाम उन लोगों की सूची से काट दिया जाता है जो पहले रहते थे। वैकल्पिक अनुवाद: “”ताकि वह अपने भाइयों के वंशजों और इस शहर के लोगों द्वारा नहीं भुलाया जाएगा““

देखें: रूपक

रूत 4:10 (#4)

וְלֹא־יִכָּרֵ֤ת שֵׁם־הַמֵּת֙ מֵעִ֣ם אֶחָ֔יו וּמִשַּׁ֥עַר מְקוֹמֹ֖ו

“”नाम“ - “न”

“इसे सकारात्मक कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”ताकि उसका नाम संरक्षित रहे““

देखें: दोहरे नकारात्मक

रूत 4:10 (#5)

וּמִשַּׁ֥עַר מְקוֹמֹ֖ו

“”स्थान“

“शहर का फाटक वह स्थान है जहाँ अगुवे एकत्रित होते हैं और महत्वपूर्ण कानूनी फ़ैसले लेते हैं, ऐसे फैसले जैसे कि भूमि का मालिक कौन है। वैकल्पिक अनुवाद: “”और उनके शहर के महत्वपूर्ण लोगों में““

देखें: प्रतिन्यास

रूत 4:10 (#6)

“तुम आज साक्षी”

तूने आज इन चीजों को देखा और सुना है, और कल इस के विषय में बात कर सकते हो

रूत 4:11 (#1)

הָעָ֔ם אֲשֶׁר־בַּשַּׁ֥עַר

“फाटक” - “लोगों” - “जो”

जो लोग फाटक के पास इकठ्ठा होते थे

रूत 4:11 (#2)

הַבָּאָ֥ה אֶל־בֵּיתֶ֖ךָ

“”पास“ - “आती है”

“इसका एक शाब्दिक और एक लाक्षणिक अर्थ है। जैसा कि रूत ने बोअज से शादी की, वह उसके घर चली जाएगी। “”घर““ एक रूपक हो सकता है जो “”परिवार““ का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए उसकी पत्नी होने के नाते बोअज के परिवार का हिस्सा होने का भी उल्लेख करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”जो तेरे परिवार का हिस्सा बन रही है““

देखें: प्रतिन्यास

रूत 4:11 (#3)

יִתֵּן֩ יְהוָ֨ה אֶת־הָאִשָּׁ֜ה הַבָּאָ֗ה אֶל־בֵּיתֶ֤ךָ כְּרָחֵל֙ וּכְלֵאָ֔ה אֲשֶׁר֙ בָּנ֣וּ שְׁתֵּיהֶ֔ם אֶת־בֵּ֖ית יִשְׂרָאֵ֑ל ׀

“यह जो स्त्री तेरे घर में आती है उसको यहोवा इस्राएल के घराने की दो उपजानेवाली राहेल और लिआ के समान करे”

यहाँ, लोग परमेश्वर से रूत को आशीष देने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उनकी आशीष रूत और बोअज के लिए पद 12 तक जारी रहती है। आप इसे आशीष या प्रार्थना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं, जो भी आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हम यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि वह इस स्त्री को, जो तेरे घर में आती है, उसे इस्राएल के घराने की दो उपजानेवाली राहेल और लिआ के समान करे"

देखें: आशीषें

रूत 4:11 (#3)

כְּרָחֵל ׀ וּכְלֵאָה אֲשֶׁר בָּנוּ שְׁתֵיהֶם אֶת־בֵּית יִשְׂרָאֵל

""राहेल"

ये याकूब की दो पत्नियाँ थीं, जिनका नाम बदलकर इस्राएल रखा गया था।

रूत 4:11 (#4)

בָּנוּ & אֶת־בֵּית יִשְׂרָאֵל

""घर" - "इस्राएल"

कई बच्चे जन्मे जो इस्राएल राष्ट्र बन गए

रूत 4:11 (#5)

וַעֲשֵׂה־חַיִל בְּאֶפְרָתָה וּקְרָא־שֵׁם בְּבֵית לָחֶם

""लोग" - "करे। एप्राता"

"ये दोनों वाक्यांश अर्थ में समान हैं। दूसरा वाक्यांश कुछ दोहराता है और पहले के अर्थ में जोड़ता है। यह किसी बात के महत्त्व को दर्शाने की एक इब्रानी शैली है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तू बैतलहम में भलाई से बसे और इस कारण तेरा बड़ा नाम हो।""

देखें: समांतरता

रूत 4:11 (#6)

וַעֲשֵׂה־חַיִל בְּאֶפְרָתָה וּקְרָא־שֵׁם בְּבֵית לָחֶם

""लोग" - "करे। एप्राता"

"ये वाक्यांश आशीर्वाद का एक रूप हैं। आशीर्वाद की शैली का उपयोग करें जो आपकी भाषा में उपयुक्त है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तू बैतलहम में भला चंगा रहे और तेरे नाम की प्रशंसा हो।""

देखें: अनिवार्य – अन्य उपयोग

रूत 4:12 (#1)

וִיהִי בֵיתְךָ כְּבֵית פֶּרֶץ

""जो" - "जवान स्त्री" - "घराना पेरेस"

"*** घर *** ""परिवार"" या ""कबीले"" के लिए प्रतीक है। पेरेस के कई वंशज थे, जो एप्रात के कबीले सहित इस्राएल में बड़े कबीले बन गए। साथ ही, उनके कई वंशज महत्वपूर्ण लोग बने। लोग परमेश्वर से रूत के बच्चों के माध्यम से इसी तरह से बोअज को आशीर्वाद देने के लिए कह रहे थे।

देखें: प्रतिन्यास

रूत 4:12 (#3)

מִן־הַזֶּרַע אֲשֶׁר יִתֵּן יְהוָה לְךָ

""यहोवा" - "तुझे"

लोग यहोवा से आशीश मांग रहे हैं, कि वह रूत से बोअज को पेरेस के समान कई बच्चे देगा। आशीर्वाद के रूप का उपयोग करें जो आपकी भाषा में उपयुक्त है।

रूत 4:13 (#1)

וַיִּקַּח בֹּעַז אֶת־רוּת וַתְּהִי־לוֹ לְאִשָּׁה

""बोअज रूत लिया वह पत्नी"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ बहुत ही समान है, क्योंकि दूसरा वाक्यांश दोहराता है और पहले का विस्तार करता है। यह एक इब्रानी काव्य शैली है। दो वाक्यांशों को यू एस टी में जोड़ा जा सकता है।

देखें: समांतरता

रूत 4:13 (#2)

וַיִּקַּח בֹּעַז אֶת־רוּת

"बोअज रूत लिया" - "उसको"

"यह वाक्यांश इंगित करता है कि बोअज ने जो पद 10 में कहा था वह कर दिया। यह हिंसा का कोई भी रूप नहीं है। निम्नलिखित वाक्यांश के साथ, इसका सीधा अर्थ **सो बोअज ने रूत से शादी की** या **इसलिए बोअज ने रूत को एक पत्नी की तरह ले लिया**। एक संयोजक शब्द (जैसे ""ऐसा"") का उपयोग करें जो इंगित करता है कि बोअज द्वारा पद 10 में समझौते का एक परिणाम है। (देखें :[[rc://hi/ta/man/translate/grammar-connect-logic-result]])"

देखें: जोड़ें – कारण और परिणाम संबंध

रूत 4:13 (#3)

וַיָּבֹא אֵלֶיהָ

"गई;" - "पास"

"यह एक शिष्ट प्रयोग है जो संभोग करने के लिए संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके साथ यौन संबंध बनाया""

देखें: शिष्टता

रूत 4:14 (#1)

הַנָּשִׁים

"स्त्रियों"

ये नगर की महिलाएं हैं जैसा कि 1:19 में उल्लेख किया गया है। यदि आवश्यक हो तो यह स्पष्ट किया जा सकता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 4:14 (#2)

בָּר□וּךְ יְהוָ□ה

“यहोवा धन्य”

“महिलाएं परमेश्वर की प्रशंसा कर रही हैं उन कामों के लिए जो उसने नाओमी और रूत के लिए किए। यदि यह आपकी भाषा में “”आशीर्वाद““ देने के लिए समझ में नहीं आता है, तो “”प्रशंसा““ या “”हम धन्यवाद देते हैं““ जैसे शब्द का उपयोग करें। यू एस टी को देखें।”

रूत 4:14 (#3)

לֹ□א הִשְׁבִּ□ית לָ□ךְ גֹּאֵ□ל הַיּ□וֹם

“”तुझे आज“

“इस वाक्यांश को सकारात्मक रूप से व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”जिसने आपको छुड़ाने के लिए आज एक बंधुआ प्रदान किया है““

देखें: दोहरे नकारात्मक

रूत 4:14 (#4)

וְיִקָּרֵ□א שְׁמ□וֹ

“नाम”

यह एक आशीर्वाद है, जिसमें कहा गया है कि महिलाओं की इच्छा है कि नाओमी का पोता एक अच्छी प्रतिष्ठा और चरित्र वाला होगा। आशीर्वाद के रूप का उपयोग करें जो आपकी भाषा में उपयुक्त है।

रूत 4:14 (#5)

וְיִקָּרֵ□א שְׁמ□וֹ בְּיִשְׂרָאֵל

“इस्राएल में इसका बड़ा नाम हो”

यहाँ, **नाम** पुत्र के व्यक्तित्व और प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह इस्राएल में एक महान पुरुष बने”

देखें: लक्षणालंकार

रूत 4:15 (#1)

לְמֵשִׁ□יב נֶ□פֶשׁ

“आनेवाला”

“यह वाक्यांश बताता है कि इस पोते के होने के परिणाम स्वरूप नाओमी फिर से अपने जीवन में खुशी और आशा का अनुभव करेगी। वैकल्पिक अनुवाद: “”जो तेरे लिए फिर से खुशी लाता है““ या “”वह जो तुझे फिर से युवा / तेजस्वी बनाएगा “”

रूत 4:15 (#2)

וּלְכַלְכֵּ□ל אֶת־שֵׂיבָתֶ□ךָ

“बुढ़ापे में पालनेवाला”

और वह तेरा ख्याल रखेगा जब तू बूढ़े हो जाएंगे

रूत 4:15 (#3)

כִּ□י

“क्योंकि”

हम इसे जानते हैं क्योंकि एक संयोजक शब्द या वाक्यांश का उपयोग करते हैं जो इंगित करता है कि इस प्रकार (रूत ने उसे जन्म दिया है) इस तथ्य का कारण है कि महिलाएं उसके चरित्र की अनुमानित भविष्यवाणी करती हैं। यदि पहले कारण को रखने के लिए यह अधिक समझ में आता है, तो यू एस टी में क्रम का पालन करें।

देखें: जोड़ें – कारण और परिणाम संबंध

रूत 4:15 (#4)

טֹ□וֹבָה לָ□ךְ מִשִּׁבְעָ□ה בָנִים

“”तुझ“

“**सात** सम्पूर्णता या परिपूर्णता के विचार का प्रतिनिधित्व करता है। यह रूत की प्रशंसा करने का एक तरीका है कि उसने नाओमी के लोए बोअज द्वारा पोते को जन्म दिया है जब कि नाओमी के बेटे उसके लिए ऐसा नहीं कर पाए क्योंकि वे मर गए। वैकल्पिक अनुवाद: “”आपके लिए किसी भी बेटे से बेहतर““ या “”तेरे लिए कई पुत्रों की तुलना में अधिक मूल्य““

देखें: मुहावरा

रूत 4:16 (#1)

וַתִּקַּ□ח נָעֳמִ□י אֶת־הַיֶּ□לֶד

“”नाओमी बच्चे“

नाओमी ने बच्चे को उठाया यह नाओमी को बच्चे को पकड़ने के लिए संदर्भित करता है। सुनिश्चित करें कि यह ऐसा नहीं दर्शाता कि वह उसे किसी भी बुरे तरीके से रूत से दूर ले गई।

रूत 4:16 (#2)

“”अपनी“ - “दाई”

और उसका ख्याल रखा

रूत 4:17 (#1)

וַתִּקְרֶאנָה □לוֹ הַשְּׁכֵנ□וֹת שֵׁם □לֵאמֹ□ר & וַתִּקְרֶ□אנָה שְׁמו□ עוֹבֵ□ד

“उसकी पड़ोसिनों” - “नाम ओबेद रखा”

पहला वाक्यांश नामकरण की घटना का परिचय देता है, और दूसरा घटना को दर्ज करने के लिए इसे दोहराता है। यदि यह भ्रामक है,

तो दो वाक्यांश संयुक्त हो सकते हैं। **तो पड़ोसी महिलाओं ने उसे ओबेद नाम दिया** या **पड़ोस की महिलाओं ने कहा ... और उन्होंने उसका नाम ओबेद रखा**

रूत 4:17 (#2)

יֶלֶד־בֵּן לְנָעֳמִי׃

""नाओमी"

यह ऐसा है जैसे नाओमी का फिर से एक बेटा है। यह समझ में आ रहा था कि बच्चा नाओमी का पोता था, उसका शारीरिक पुत्र नहीं था, लेकिन वह नाओमी और रूत दोनों के परिवार के वंश को आगे चलाएगा।

रूत 4:17 (#3)

וַתִּקְרֶאנָה שְׁמוֹ עוֹבֵד

"और उसकी पड़ोसिनों ने यह कहकर... (वे) लड़के का नाम ओबेद रखा"

मूल भाषा में पड़ोसिनों के लिए सर्वनाम **उन्होंने** का उपयोग इस पद में हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. में पड़ोसिनों के लिए कोई सर्वनाम का उपयोग नहीं किया गया है। यहाँ, **कहकर... नाम रखा** एक मुहावरा है जिसका अर्थ "नामांकित" है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने उसका नाम ओबेद रखा" या "और उन्होंने उसे ओबेद नाम दिया"

देखें: मुहावरा

रूत 4:17 (#3)

הוּא אֲבִי־יִשַׁי׃

""यह" - "यिशै"

बाद में, वह यिशै का पिता हुआ यह स्पष्ट करना आवश्यक हो सकता है कि ओबेद, यिशै और दाऊद के जन्म के बीच बहुत समय का अंतर है।

रूत 4:17 (#4)

""दाऊद"

राजा दाऊद का पिता। हालांकि **राजा** का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन यह मूल दर्शकों के लिए स्पष्ट था कि यह दाऊद राजा दाऊद था।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत 4:18 (#1)

תּוֹלְדוֹת פָּרֶץ

"पेरेस वंशावली"

पेरेस के साथ शुरू, हमारे कबीले के क्रमिक वंशज हैं। क्योंकि यह पहले उल्लेख किया गया था कि पेरेस यहूदा का बेटा था, लेखक पेरेस से आई पारिवारिक कड़ी को सूचीबद्ध करना जारी रखता है। पद 17 में नाओमी और रूत के बारे में कहानी का अंत था, और पद 18 में एक अंतिम खंड शुरू होता है, जो कि एप्राता के कबीले की पारिवारिक कड़ी को सूचीबद्ध करता है, जिसमें दिखाया गया है कि ओबेद राजा दाऊद के दादा के रूप में कितना महत्वपूर्ण था। एक संयोजक शब्द का उपयोग करें जो संकेत देता है कि यह एक नया अनुभाग है। आपको यह भी स्पष्ट करने की आवश्यकता हो सकती है कि यह पद कहानी की समय अवधि की तुलना में बहुत पहले के हैं।

रूत 4:18 (#2)

פָּרֶץ הוֹלִיד אֶת־חֶצְרוֹן

"पेरेस से हेस्रोन"

पेरेस और **हेस्रोन** पुरुषों के नाम हैं। इन नामों के ऐसे रूपों का प्रयोग करें जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हों।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रूत 4:19 (#1)

וְחֶצְרוֹן & אֶת־רָם & אֶת־עַמִּינָדָב

""हेस्रोन"

इन नामों के रूपों का उपयोग करें जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रूत 4:20 (#1)

""

अम्मीनादाब, **नहशोन**, और **सलमोन** पुरुषों के नाम हैं। इन नामों के ऐसे रूपों का प्रयोग करें जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हों।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रूत 4:22 (#1)

"दाऊद"

राजा दाऊद। नोट के बारे में देखें **दाऊद** पर [4:17] (.. / 04/17 / f9ha)

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

रूत - अध्याय 1 परिचय

संरचना और रूपरेखा

यह उन दिनों की बात है जब न्यायियों का शासन था।
इस पुस्तक की घटनाएँ न्यायियों के समय की हैं। यह पुस्तक न्यायियों की पुस्तक के साथ समकालीन है। पुस्तक के ऐतिहासिक सन्दर्भ को समझने के लिये, अनुवादक न्यायियों की पुस्तक का अवलोकन कर सकते हैं।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

पति या पुत्रों के बिना स्त्रियाँ

प्राचीन पश्चिमी एशिया में, यदि किसी स्त्री के पास पति या पुत्र नहीं होते थे, तो उसे भयानक परिस्थिति में माना जाता था। वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं नहीं कर सकती थी। यही कारण है कि नाओमी ने अपनी बहुओं से पुनर्विवाह करने को कहा।

इस अध्याय में अन्य सम्भावित अनुवाद सम्बन्धी कठिनाइयाँ

विरोध

मोआब की रूत के कार्य यहूदी नाओमी के कार्यों के विपरीत दिखाए गए हैं। रूत नाओमी के परमेश्वर में बड़ा विश्वास दिखाती हैं, जबकि नाओमी यहोवा पर भरोसा नहीं करतीं। (देखें: विश्वास और भरोसा)

रूत - अध्याय 2 परिचय

"# रूत 2 सामान्य टिप्पणियाँ

इस अध्याय में सम्भावित अनुवाद सम्बन्धी कठिनाइयाँ

"एक बड़ा धनी" (2:1)

यह वाक्यांश बोअज को अच्छे गुणों वाला बताता है, परन्तु यह वर्णन बहुत ही सामान्य रूप में किया गया है। यह वाक्यांश ऐसे पुरुष के लिये प्रयुक्त हो सकता है जो शारीरिक रूप से बलवान और सक्षम हो, धनवान हो, या फिर जो भला और भक्ति से युक्त चरित्र रखता हो या ये सब बातें उसमें एक साथ पाई जाती हों। इस कहानी के सन्दर्भ से हम देखते हैं कि बोअज के पास भूमि है, उनके दास उनका आदर करते हैं, और वह ऐसा जीवन जीते हैं, जहाँ परमेश्वर का आदर होता है, इसलिए ऐसा लगता है कि यह वाक्यांश उनके धन और चरित्र का वर्णन कर रहा है। सोचें कि आप अपनी भाषा में ऐसे व्यक्ति का वर्णन कैसे करेंगे।

"किसी दूसरे के खेत में बीनने न जाना" (2:8)

बोअज ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह रूत की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसी और के खेत में नहीं दे सकता था। ऐसा लगता है कि हर कोई बोअज की तरह अनुग्रहकारी और मूसा के व्यवस्था के प्रति आज्ञाकारी नहीं था। (देखें: अनुग्रह और मूसा की व्यवस्था)

"छुड़ानेवाला कुटुम्बी" (2:20)

एक "छुड़ानेवाला कुटुम्बी" वह पुरुष कुटुम्बी होता था जो अपने कुल के किसी भी निकट सदस्य की जरूरतों को पूरा करने, देवर विवाह की जिम्मेदारियों को निभाने और परिवार से बाहर बेची गई भूमि को परिवार में वापस मोल लेने के लिये उत्तरदायी होता था। अधिक जानकारी के लिये पुस्तक की प्रस्तावना देखें।"

रूत - अध्याय 3 परिचय

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

बोअज की खराई

इस अध्याय में बोअज ने बड़ी खराई दिखाई, क्योंकि उन्होंने विवाह से पहले रूत से शारीरिक सम्बन्ध नहीं बनाए। वह रूत की अच्छी प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिये भी चिन्तित था। इस अध्याय में बोअज के उत्तम चरित्र को दिखाना एक महत्वपूर्ण बात है।

इस अध्याय में अन्य सम्भावित अनुवाद सम्बन्धी कठिनाइयाँ

की तेरा भला हो

नओमी चाहती थी कि रूत को एक सुरक्षित घर और एक ऐसा अच्छा पति मिले जो उनकी देखभाल कर सके। वह देख सकती थीं कि बोअज उनके लिये सबसे उत्तम पति होगा। उन्होंने यह भी सोचा कि बोअज, एक छुड़ानेवाला कुटुम्बी के रूप में, उन पर रूत से विवाह करने का दायित्व था। यह सच हो सकता था क्योंकि, भले ही रूत जन्म से अन्यजाति थीं, वह नाओमी के परिवार और इस्राएल के देश का हिस्सा बन गई थीं। (देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी)

रूत - अध्याय 4 परिचय

"# रूत 4 के सामान्य टिप्पणियाँ

इस अध्याय की प्रमुख अवधारणाएँ

राजा दाऊद

यद्यपि रूत एक मोआबी स्त्री थी, फिर भी वह दाऊद की पूर्वज बनी। दाऊद इस्राएल के सबसे महान राजा थे। यह आश्चर्य की बात हो सकती है कि एक अन्यजाति इतनी महत्वपूर्ण वंशावली का भाग बन गई, परन्तु यह हमें स्मरण दिलाता है कि परमेश्वर सब लोगों से प्रेम करते हैं। रूत को यहोवा पर बड़ा विश्वास था। यह हमें दिखाता है कि परमेश्वर उन सबको स्वीकार करते हैं जो उन पर विश्वास करते हैं।

"तब उसे रूत मोआबिन "-"मोल लेना पड़ेगा"

परिवार की भूमि के अधिकार के साथ यह उत्तरदायित्व भी जुड़ा था कि उस परिवार की विधवाओं की देखभाल की जाए। इसलिए, जो कुटुम्बी नाओमी की भूमि उपयोग करना चाहता था, उसे यह उत्तरदायित्व भी लेना था कि वह रूत को एक पुत्र प्राप्त करने में सहायता करे जो परिवार के नाम और भाग को आगे बढ़ाए और उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति करे।

इस अध्याय में अन्य सम्भावित अनुवाद सम्बन्धी कठिनाइयाँ

"पुराने समय में इस्राएल में"

अध्याय चार के वचन सात में लेखक द्वारा की गई एक टिप्पणी है। यह संकेत करता है कि जिन घटनाओं का वर्णन किया गया है और जब उन्हें लिखा किया गया, उनके बीच काफी समय बीत चुका था, और इस समय रीति में परिवर्तन आ चुका था। ध्यान दें कि यह कहानी का हिस्सा नहीं बल्कि कहानी के विषय में एक टिप्पणी है।"